मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 231
सोमवार, 09 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भारत ने रचा इतिहास, टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला मेजबान बना

अहमदाबाद, 08 मार्च। भारत ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इतिहास रच दिया है। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सूर्यकुमार यादव की टीम वह कमाल करके दिखाया, जो टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में कभी नहीं हुआ था। भारतीय टीम टी20 इंटरनेशनल की सबसे सफल टीम बन गई।

भारत ने तीसरा टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इंग्लैंड और वेस्टइंडीज को पीछे छोड़ा। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने दो-दो बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली मेजबान टीम बन गई है। इसके अलावा टी20 वर्ल्ड कप के खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनी। इससे पहले टूनार्मेंट के 9 एडिशन में किसी डिफेंडिंग चैंपियन ने फाइनल भी नहीं खेला था। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत ने पहली बार न्यूजीलैंड को हराया। इससे पहले वह कीवियों से 3 मैच हारा था। इस जीत से आईसीसी टूनार्मेंट के फाइनल में न्यूजीलैंड से हिसाब भी चुकता हुआ। न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर दो बाद आईसीसी का खिताब जीता है। भारत ने भी उसे हारकर दो बार आईसीसी खिताब जीत लिया। 2000 में न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी जीता था। 2021 में उसने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल जीता था।

वहीं भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 255 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और 19 ओवर में सभी विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 4, अक्षर पटेल ने तीन विकेट लिए। भारत ने लगातार दूसरी बार टी0 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। वहीं टीम इंडिया तीन बार टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतने वाली टीम बन गई है। भारत के लिए संजू सैमसन ने 46 गेंद पर 89 रन बनाए। वहीं अभिषेक शर्मा ने 21 गेंद पर 52 रन बनाए। इशान किशन ने 25 गेंद में 54 रन बनाए। हार्दिक पंड्या ने 13 गेंद पर 18 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव खाता नहीं खोल पाए। तिलक वर्मा 8 और शिवम दुबे 8 गेंद पर 26 रन बनाकर नाबाद लौटे।

वहीं न्यूजीलैंड के लिए टिम सीफर्ट ने 26 गेंद पर 52 रन बनाए। मिचेल सैंटनर ने 35 गेंद पर 43 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने 17 रन बनाए। फिन एल ने 9, जिमी निशाम में 8, लॉक फर्ग्यूसन ने नाबाद 6, ग्लेन फिलिप्स ने 5, मार्क चैपमैन और जैकब डफी ने 3-3 रन बनाए। वहीं रचिन रविंद्र 1 और मैट हेनरी बिना खाता खोले आउट हुए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट लिए। अक्षर पटेल ने 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या, वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा ने -1 विकेट अपने नाम किया।

पीएम मोदी का दिल्ली को 33,500 करोड़ का तोहफा

नई दिल्ली, 08 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के बुराड़ी में 33,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उपहार दिया। उन्होंने पिंक लाइन (मजलिस पार्क-मौजपुर) और मजेंटा लाइन के नए हिस्सों की शुरूआत की। इस विस्तार से बुराड़ी, भजनपुरा, खजूरी खास और यमुना विहार जैसे इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों को सीधा फायदा होगा और मेट्रो कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इसके साथ ही उन्होंने तीन नए मेट्रो कॉरिडोर की नींव भी रखी, जो एयरपोर्ट और दक्षिणी दिल्ली के सफर को और आसान बनाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये मेट्रो परियोजनाएं महिलाओं के सुरक्षित और सुगम सफर के लिए बेहद जरूरी हैं। प्रधानमंत्री ने इस दौरान सरोजनी नगर में सरकारी आवास योजना के तहत बने फ्लैटों का निरीक्षण किया और महिला लाभार्थियों को उनके नए घर की चाबियाँ सौंपीं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का मेट्रो नेटवर्क तेजी से बढ़ा है। साल 2014 तक देश के सिर्फ 5 शहरों में मेट्रो थी, लेकिन आज भारत मेट्रो नेटवर्क के मामले में अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। दिल्ली मेट्रो अब 500 किलोमीटर से ज्यादा लंबी हो चुकी है, जो शहर की 'लाइफलाइन' बन गई है। इससे न केवल प्रदूषण कम हो रहा है, बल्कि ट्रैफिक जाम से भी राहत मिल रही है। मेट्रो के साथ-साथ सरकार का जोर लोगों को बेहतर घर देने पर भी है। प्रधानमंत्री ने करीब 9,000 सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवासीय परिसरों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। सरकार की योजना है कि मेट्रो स्टेशनों के पास ही रिहायशी इलाके विकसित किए जाएं ताकि लोगों को आने-जाने में कम से कम समय लगे। इन नई परियोजनाओं से दिल्ली और एनसीआर में आर्थिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलेगी।

राष्ट्रपति का अपमान देश नहीं भूलेगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 08 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के विकास के लिए 33,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का तोहफा दिया। उन्होंने दिल्ली मेट्रो की पिंक और मजेंटा लाइन के नए हिस्सों का उद्घाटन किया और तीन नए कॉरिडोर की नींव रखी। इस विस्तार से बुराड़ी, यमुना विहार, खजूरी खास और वजीराबाद जैसे इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों का सफर आसान होगा और मेट्रो कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार आएगा।

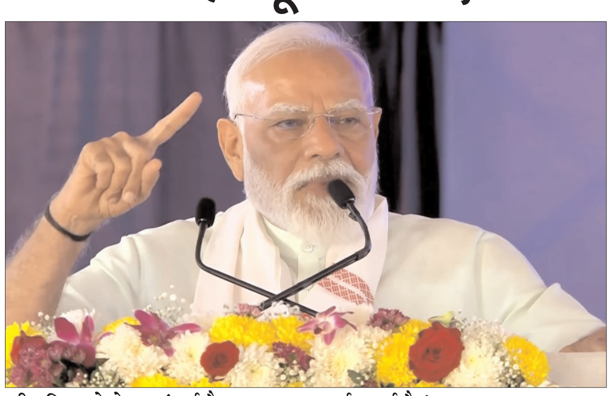

मेट्रो परियोजनाओं की शुरूआत के साथ ही प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे के दौरान हुई प्रोटोकॉल की लापरवाही का मुद्दा उठाया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर कल बंगाल में जो हुआ, वह देश की राष्ट्रपति का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि टीएमसी ने न केवल राष्ट्रपति बल्कि पूरे आदिवासी समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू संथाल आदिवासी परंपरा के एक पवित्र उत्सव में शामिल होने बंगाल गई थीं, लेकिन राज्य सरकार ने उस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का बहिष्कार किया। उन्होंने जोर देकर कहा, 'पश्चिम बंगाल की जनता और देश का आदिवासी समाज इस अपमान के लिए टीएमसी को कभी माफ नहीं करेगा। एक नारी और देश के सर्वोच्च पद पर बैठी हस्ती के साथ ऐसा व्यवहार बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।'

पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर है और उसकी पवित्रता बनी रहनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश की नारी शक्ति और आदिवासी समुदाय इस घटना से बेहद निराश है। उनके अनुसार, जिस तरह से बंगाल सरकार ने संथाल संस्कृति के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के प्रति लापरवाही दिखाई, वह देश के लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

नवरात्र से ललिता घाट पर गूंजेगी गंगा आरती की दिव्य ध्वनि

- 19 मार्च से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास करेगा शुभारंभ
- विक्रमी संवत 2083 के प्रथम दिवस पर आरंभ होगा अनुष्ठान, सात आचार्य प्रतिदिन करेंगे माँ गंगा की आरती

सुरेश गांधी

वाराणसी। आस्था और अध्यात्म की नगरी काशी में माँ गंगा की आराधना का एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन 19 मार्च से ललिता घाट पर भव्य गंगा आरती का शुभारंभ किया जाएगा। यह दिन विक्रमी संवत्सर 2083 का प्रथम दिवस भी है, इसलिए इस पावन अवसर को विशेष आध्यात्मिक महत्व प्राप्त हो गया है। गंगा तट पर दीपों की ज्योति, वैदिक मंत्रोच्चार और शंखनाद के बीच होने वाली यह आरती काशी की सनातन परंपरा को एक नई ऊँचाई देने वाली मानी जा रही है।न्यास द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ललिता घाट पर प्रतिदिन सायंकाल ठीक 6 बजे माँ गंगा की विधिवत आरती संपन्न होगी। इस पावन अनुष्ठान में सात आचार्य एक साथ माँ गंगा की आराधना करेंगे। वैदिक मंत्रों की गूंज, घंटा-घड़ियाल की ध्वनि और दीपमालाओं की अलौकिक आभा के बीच आरती का यह दृश्य श्रद्धालुओं को भक्ति और अध्यात्म के अद्भुत वातावरण में ले जाएगा।काशी के घाटों पर होने वाली गंगा आरती देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही है। ऐसे में ललिता घाट पर आरती की शुरूआत से यहाँ भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। इससे दशाश्वमेध घाट समेत अन्य प्रमुख घाटों पर होने वाले आयोजनों में भीड़ का दबाव भी कुछ हद तक कम होगा और श्रद्धालु अधिक सहजता से आरती दर्शन कर सकेंगे। धार्मिक विद्वानों का मानना है कि चैत्र नवरात्र और नवसंवत्सर के शुभारंभ पर गंगा आरती का यह नया केंद्र काशी की आध्यात्मिक परंपरा को और अधिक समृद्ध करेगा। माँ गंगा के चरणों में समर्पित यह दिव्य अनुष्ठान न केवल श्रद्धालुओं की आस्था को और गहरा करेगा, बल्कि काशी के घाटों की सांस्कृतिक गरिमा को भी नई पहचान देगा। न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि श्रद्धालु मंदिर के गंगा द्वार की सीढ़ियों पर बैठकर ही इस दिव्य आरती के साक्षी बन सकेंगे। बनारस में गंगा किनारे होने वाली अन्य आरतियों की तरह ही ललिता घाट की आरती भी पूरी भव्यता और वैदिक परंपरा के साथ संपन्न होगी। प्रतिदिन सायंकाल 6 बजे सात आचार्य एक साथ वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और दीपमालाओं के बीच माँ गंगा की आरती करेंगे, जिससे पूरा घाट आध्यात्मिक आभा से आलोकित हो उठेगा।सदर उपजिलाधिकारी शंभू शरण के अनुसार बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को गंगा द्वार से ही आरती देखने की सुविधा मिल जाएगी। इससे दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती में उमड़ने वाली भीड़ का दबाव भी कम होगा और श्रद्धालु अधिक सहजता से आरती दर्शन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पिछले वर्ष आठ अक्तूबर को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से नमो घाट पर भी माँ गंगा की दैनिक आरती की शुरूआत की गई थी।

नीतीश कुमार की सियासी विरासत अब बेटे निशांत के हाथ

पटना, 08 मार्च। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार आधिकारिक तौर पर जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गए हैं। पार्टी की सदस्यता लेने के बाद उन्होंने कार्यकताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। निशांत ने अपने पिता के राज्यसभा जाने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि वह इस निर्णय को पूरी तरह स्वीकार करते हैं।

निशांत कुमार ने पार्टी में अपनी भूमिका को लेकर कहा कि वह एक सक्रिय सदस्य के रूप में जेडीयू को मजबूती देंगे। उन्होंने गर्व से कहा कि नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में बिहार के लिए जो विकास कार्य किए हैं, उन्हें वह घर-घर तक पहुँचाने का काम करेंगे। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे अपना मनोबल ऊंचा रखें और नीतीश कुमार पर अपना भरोसा बनाए रखें।

निशांत कुमार की इस एंट्री के बाद बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि पार्टी में उन्हें कोई बड़ा पद या महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। सदस्यता लेने के बाद अब निशांत पूरे बिहार का दौरा करेंगे। नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए पर्चा दाखिल करने के बाद, कार्यकताओं की मांग को देखते हुए निशांत को राजनीति में लाया गया है।

सियासी गलियारों में इस बात की भी जोरदार चर्चा है कि निशांत कुमार को बिहार का उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

भारतीय समेत 2 लोगों की मौत, सऊदी अरब में रिहायशी इलाके में मिसाइल अटैक

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच Saudi Arabia से एक दुखद खबर सामने आई है। रविवार को एक रिहायशी इलाके में मिसाइल गिरने से दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें एक भारतीय और एक बांग्लादेशी शामिल हैं। इस हमले में 12 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। यह घटना उस समय सामने आई जब पिछले नौ दिनों से क्षेत्र में जारी संघर्ष के दौरान क्श्ल्ल की ओर से खाड़ी देशों की दिशा में लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले किए जा रहे हैं।

सऊदी अधिकारियों के मुताबिक मिसाइल राजधानी के पास स्थित Al-Kharj शहर में एक कंपनी के आवासीय परिसर में गिरी।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

मीडिया के लिए प्रमाणिकता, निष्पक्षता और पारदर्शिता का दौर

स्वस्थ, जागरूक और सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में मीडिया की भूमिका सदैव अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। समाज को शिक्षित करना, लोगों को जागरूक बनाना और सच्चाई का आईना दिखाना पत्रकारिता का केवल दायित्व ही नहीं, बल्कि उसका सबसे बड़ा धर्म भी है। यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। मीडिया का मूल उद्देश्य समाज तक सत्य, प्रमाणिक और विश्वसनीय जानकारी पहुंचाना है, ताकि नागरिक सही और संतुलित जानकारी के आधार पर अपने विचार बना सकें। मीडिया समाज में सरकार और आम जनता के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करती है। जहां एक ओर पत्रकारिता अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करती है, वहीं दूसरी ओर वह शासन-प्रशासन की नीतियों और निर्णयों को जनता तक पहुंचाने का कार्य भी करती है। इसके साथ ही मीडिया उन समस्याओं और परिस्थितियों को भी उजागर करती है, जिन तक आम व्यक्ति स्वयं नहीं पहुंच सकता। यही कारण है कि मीडिया को अक्सर जनता की तीसरी आंख या दिव्य दृष्टि भी कहा जाता है। इतिहास भी इस बात का साक्षी है कि सूचना और सत्य का प्रवाह सदैव समाज तक पहुंचता रहा है। पौराणिक उदाहरणों में महाभारत के युद्ध का उल्लेख किया जाता है, जहां कुरुक्षेत्र के मैदान में हो रही घटनाओं का वर्णन संजय ने अपनी दिव्य दृष्टि के माध्यम से धृतराष्ट्र को सुनाया था। आधुनिक युग में वही भूमिका मीडिया के विभिन्न जनसंचार माध्यम निभा रहे हैं। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल मीडिया के माध्यम से सूचनाएं तेजी से समाज के हर वर्ग तक पहुंच रही हैं। समाज के लोगों को यह विश्वास रहता है कि मीडिया के माध्यम से उन्हें सत्य, निष्पक्ष, प्रमाणिक और पारदर्शी जानकारी प्राप्त होगी। किंतु जब तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया जाता है, बिना पुष्टि के खबरें प्रसारित की जाती हैं या अधूरी जानकारी के आधार पर समाचार प्रकाशित किए जाते हैं, तब यह न केवल जनता को भ्रमित करता है बल्कि मीडिया की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े कर देता है। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की प्रतिष्ठा भी प्रभावित होती है।

यही कारण है कि एक जिम्मेदार पत्रकार या संवाददाता किसी भी खबर को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले घटनास्थल पर पहुंचकर तथ्यों की जांच-पड़ताल करता है। प्रत्यक्षदर्शियों से बातचीत, आधिकारिक स्रोतों से पुष्टि और आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद ही समाचार को अंतिम रूप दिया जाता है। यदि इसके विपरीत सुनी-सुनाई या अपुष्ट सूचनाओं को ही समाचार के रूप में प्रस्तुत किया जाने लगे, तो पत्रकारिता की निष्पक्षता, पारदर्शिता और प्रमाणिकता पर स्वाभाविक रूप से सवाल उठना तय है। हाल ही में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र के निधन की झूठी खबर सोशल मीडिया और कुछ जन माध्यमों में प्रसारित हो गई थी। इस खबर ने न केवल उनके प्रशंसकों को आहत किया बल्कि मीडिया की जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े कर दिए। इस पर उनकी पत्नी, सांसद और फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे बेहद गैरजिम्मेदाराना और असंवेदनशील बताया। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति उपचाराधीन हो और उसके स्वस्थ होने की उम्मीद हो, तब इस प्रकार की अफवाहें फैलाना न केवल अनुचित है बल्कि परिवार की गरिमा और निजता पर भी आघात है। इसी प्रकार निष्पक्ष पत्रकारिता को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी एक दैनिक समाचार पत्र की खबरों की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। उन्होंने अपने समर्थकों से उस समाचार पत्र को न पढ़ने की बात कही थी। यह घटना इस बात का संकेत देती है कि यदि मीडिया अपनी जिम्मेदारी से भटकता है तो उसकी विश्वसनीयता पर जनता और जनप्रतिनिधियों दोनों के स्तर पर प्रश्न उठने लगते हैं।

इसके अतिरिक्त एक दैनिक अखबार में कोडीन युक्त कफ सिरप तस्करी प्रकरण में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की जांच से संबंधित एक खबर प्रकाशित हुई, जिसमें समाजवादी पार्टी के नेता और जौनपुर के शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक शैलेंद्र यादव ललई का नाम स्पष्ट किए बिना संकेत दिए गए थे। इससे आहत होकर उन्होंने इसे अपनी सामाजिक और राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचाने वाला बताया और कानूनी कार्रवाई का सहारा लिया। उन्होंने प्रेस वार्ता कर खबर का खंडन किया तथा संबंधित अखबार के संपादक और संवाददाता को कानूनी नोटिस भेजा। साथ ही उन्होंने सरकार और जांच एजेंसियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए अपने पिछले दस वर्षों के बैंक खातों की भी जांच कराने की बात कही, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

वर्तमान समय में सूचना प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के कारण खबरों का प्रसार अत्यंत तेजी से होने लगा है। ऐसे में मीडिया की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। पत्रकारिता के मूल सिद्धांत–प्रमाणिकता, निष्पक्षता और पारदर्शिता–का पालन करना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। यदि मीडिया इन मूल्यों को बनाए रखती है, तो वह न केवल लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखेगी बल्कि जनता का विश्वास भी बनाए रखने में सफल होगी। अतः आवश्यक है कि मीडिया अपने कर्तव्यों और नैतिक मूल्यों के प्रति सजग रहे। सत्य, प्रमाणिकता और निष्पक्षता के आधार पर ही पत्रकारिता की प्रतिष्ठा और लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित की जा सकती है। यही वह मार्ग है जिसके माध्यम से मीडिया समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन कर सकती है और जनता का विश्वास सदैव बनाए रख सकती है।

लेखक-रामनरेश प्रजापति पत्रकार, गोल्ड मेडलिस्ट-जनसंचार एवं पत्रकारिता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर-प्रदेश

विश्व महिला दिवस

-विक्रम दयाल

विश्व महिला दिवसः महिलाओं के अधिकारों और समानता का जश्न है। 8 मार्च को विश्व महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें समाज में समानता का दर्जा दिलाना है। महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ की हड्डी हैं और वे आज हर क्षेत्र में अपना योगदान भी दे रही हैं। लेकिन फिर भी, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि भेदभाव, हिंसा, और असमानता। विश्व महिला दिवस हमें इन चुनौतियों को पहचानने और उन्हें दूर करने का अवसर देता है। इस वर्ष का विश्व महिला दिवस की थीम है समानता के लिए एकजुट होना। यह थीम हमें महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए एकजुट होने का संदेश देता है। आइये, हम सभी विश्व महिला दिवस पर महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए एकजुट हों और उन्हें समाज में समान अवसर प्रदान करें। महिलाओं के प्रति भेदभाव, हिंसा, और असमानता एक गंभीर समस्या है जो दुनिया भर में फैली हुई है। आइये, इन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करें। भेदभावः महिलाओं के प्रति भेदभाव एक आम समस्या है जो उन्हें समाज में समान अवसरों से वंचित करती है। यह भेदभाव शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और राजनीति जैसे क्षेत्रों में देखा जा सकता है। महिलाओं को अक्सर निम्न पदों पर रखा जाता है और उन्हें पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है। हिंसाः महिलाओं के प्रति हिंसा एक गंभीर अपराध है जो उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से नुकसान पहुँचाता है। यह हिंसा घरेलू हिंसा, यौन हिंसा, और मानव तस्करी जैसे रूपों में देखी जा सकती है। महिलाओं को अक्सर अपने घरों में ही हिंसा का सामना करना पड़ता है, जो उनके लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। असमानताः महिलाओं के प्रति असमानता एक अन्य समस्या है जो उन्हें समाज में समान अवसरों से वंचित करती है। यह असमानता शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक अवसरों जैसे क्षेत्रों में देखी जा सकती है। महिलाओं को अक्सर पुरुषों की तुलना में कम अवसर दिये जाते हैं और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिक संघर्ष करना पड़ता है। महिलाओं के अधिकारः महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई अंतर्राष्ट्रीय समझौते और कानून बनाये गये हैं। इनमें से कुछ प्रमुख अधिकार हैं: शिक्षा का अधिकार। स्वास्थ्य का अधिकार। रोजगार का अधिकार। समान वेतन का अधिकार। यौन और पुनरुत्पादक स्वास्थ्य का अधिकार। हिंसा से मुक्त होने का अधिकार। सवाल उठता है। क्या किया जा सकता है? महिलाओं के प्रति भेदभाव, हिंसा, और असमानता को दूर करने के लिए हमें कई कदम उठाने होंगे। इनमें से कुछ प्रमुख कदम इसप्रकार हैं: शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देना। महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाकर कानून का पालन करना। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कार्यक्रम चलाना पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को बढ़ावा देना। विश्व महिला दिवस पर महिलाओं को हार्दिक शुभकामनायें।

शीतलाष्टमी : जब ठंडे भोग से माता शीतला से मांगी जाती है रोगों से रक्षा

-सुरेश गांधी

होली के उल्लास और रंगों के बाद भारतीय संस्कृति में एक ऐसा पर्व आता है जो जीवन में संयम, स्वच्छता और स्वास्थ्य का संदेश देता है। शीतलाष्टमी उसी लोकआस्था और आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे रोगों से रक्षा करने वाली माता शीतला की आराधना के रूप में मनाया जाता है। चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व विशेष रूप से उत्तर भारत, राजस्थान, गुजरात और पूर्वांचल में गहरी श्रद्धा और परंपरा के साथ मनाया जाता है। इस दिन घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता और एक दिन पहले तैयार किया गया ठंडा भोजन माता शीतला को अर्पित किया जाता है। इसके पीछे केवल धार्मिक आस्था ही नहीं बल्कि प्रकृति, मौसम और स्वास्थ्य से जुड़ी प्राचीन भारतीय समझ भी छिपी हुई है। माता शीतला के हाथ में झाड़ू, सूप, कलश और नीम की पत्तियाँ होती हैं, जो स्वच्छता, औषधीय शक्ति और रोगों से मुक्ति का प्रतीक मानी जाती हैं। लोकविश्वास है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा करने से चेचक, त्वचा रोग और अन्य संक्रामक बीमारियों से रक्षा होती है तथा परिवार में सुख-शांति और आरोग्य का वास होता है। इस प्रकार शीतलाष्टमी केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, स्वच्छता और संतुलित जीवन का भी महत्वपूर्ण संदेश देती है

भारत की सनातन परंपरा में प्रत्येक पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं होता, बल्कि उसके पीछे जीवन दर्शन, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना का गहरा संदेश छिपा होता है। ऐसा ही एक अत्यंत महत्वपूर्ण और लोकआस्था से जुड़ा पर्व है शीतलाष्टमी। यह पर्व माता शीतला की आराधना का दिन है, जिन्हें रोगों की देवी माना जाता है। मान्यता है कि माता शीतला की कृपा से मनुष्य को महामारी, संक्रामक रोगों और विशेषकर त्वचा रोगों से रक्षा मिलती है। होली के रंगों और उल्लास के बाद जब प्रकृति धीरे-धीरे गर्मी की ओर बढ़ने लगती है, तब यह पर्व हमें संयम, स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व का स्मरण कराता है। भारत के अनेक राज्यों–उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और झारखंड में शीतलाष्टमी का पर्व विशेष श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। पूर्वांचल और काशी क्षेत्र में तो यह पर्व लोकजीवन की परंपराओं के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। इस दिन घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता और एक दिन पहले तैयार किया गया भोजन माता को अर्पित किया जाता है। इस परंपरा के पीछे केवल धार्मिक आस्था ही नहीं बल्कि मौसम और स्वास्थ्य से जुड़ी गहरी समझ भी छिपी हुई है। शीतलाष्टमी केवल एक धार्मिक व्रत नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की उस परंपरा का प्रतीक है जिसमें आस्था और विज्ञान का सुंदर संगम दिखाई देता है। माता शीतला की पूजा हमें यह संदेश देती है कि जीवन में स्वास्थ्य और शांति सबसे बड़ा धन है। जब हम श्रद्धा के साथ माता शीतला की आराधना करते हैं, स्वच्छता बनाए रखते हैं और प्रकृति के नियमों का सम्मान करते हैं, तब जीवन में सुख, संतुलन और समृद्धि का मार्ग स्वतः प्रशस्त हो जाता है। इस प्रकार शीतलाष्टमी का यह पावन पर्व हमें न केवल रोगों से रक्षा की कामना करना सिखाता है, बल्कि जीवन को शीतल, संतुलित और स्वस्थ बनाने का मार्ग भी दिखाता है।

तिथि, मुहूर्त और ज्योतिषीय योग

सनातन धर्म में किसी भी पूजा या व्रत का महत्व उसकी सही तिथि और मुहूर्त से जुड़ा होता है। पंचांग के अनुसार शीतलाष्टमी का पर्व चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। अष्टमी तिथि प्रारंभ झ 10 मार्च, प्रातः लगभग 09:30 बजे, अष्टमी तिथि समाप्त झ 11 मार्च, प्रातः लगभग 08:10 बजे. शुभ पूजा मुहूर्त : प्रातःकाल : 05:45 बजे से 09:00 बजे तक. यह समय माता शीतला की पूजा और व्रत अनुष्ठान के लिए विशेष शुभ माना जाता है। ज्योतिषीय दृष्टि से शीतलाष्टमी का दिन स्वास्थ्य और शांति की कामना के लिए अत्यंत अनुकूल माना जाता है। प्रातःकाल में मेष और वृष लग्न शुभ प्रभाव देते हैं। चंद्रमा मन, शरीर और रोगों का कारक ग्रह माना जाता है, इसलिए इस दिन चंद्रमा की स्थिति विशेष महत्व रखती है। ग्रहों की अनुकूल स्थिति स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और रोगों से मुक्ति की प्रार्थना के लिए उपयुक्त मानी जाती है। नक्षत्र योग : इस दिन चंद्रमा के प्रभाव वाले नक्षत्र का योग होने से यह पर्व रोग निवारण और मानसिक शांति के लिए विशेष फलदायी माना जाता है।

माता शीतला : लोकआस्था और पुराणों में वर्णन

माता शीतला को सनातन परंपरा में रोगों की देवी माना गया है। पुराणों और लोककथाओं में वर्णन मिलता है कि जब पृथ्वी पर महामारी और संक्रामक रोगों का प्रकोप बढ़ गया था, तब देवी ने शीतल स्वरूप धारण कर मानवता को रोगों से मुक्ति दिलाई। माता शीतला का स्वरूप अत्यंत प्रतीकात्मक माना जाता है। वे गधे पर सवार रहती हैं। उनके हाथ में झाड़ू, सूप, कलश और नीम की पत्तियाँ होती हैं। इन सभी प्रतीकों का गहरा अर्थ है :–

झाड़ू : अशुद्धता और रोगों को दूर करने का संकेत देता है।

सूप : वातावरण को शुद्ध करने और अशुद्ध तत्वों को अलग करने का प्रतीक है।

कलश : जीवन, ऊर्जा और स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है।

नीम की पत्तियाँ : आयुर्वेद में नीम को रोगनाशक माना गया है। यह शुद्धता और औषधीय शक्ति का प्रतीक है। इन प्रतीकों से स्पष्ट होता है कि प्राचीन भारतीय समाज में स्वास्थ्य, स्वच्छता और प्रकृति के महत्व को धार्मिक परंपराओं के माध्यम से जनजीवन में स्थापित किया गया था।

पौराणिक कथा

शीतलाष्टमी से जुड़ी एक प्रसिद्ध कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि एक नगर में लोग माता शीतला की पूजा नहीं करते थे। वे स्वच्छता और धार्मिक नियमों की भी उपेक्षा करते थे। एक दिन नगर में भयंकर महामारी फैल गई। लोग एक-एक करके रोगों की चपेट में आने लगे। तब एक वृद्ध महिला ने लोगों को माता शीतला की पूजा करने और घर-परिवार में स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी। जब लोगों ने माता की आराधना की और नियमों का पालन किया, तब धीरे-धीरे महामारी समाप्त हो गई। तभी से यह परंपरा प्रचलित हुई कि चैत्र कृष्ण अष्टमी को माता शीतला की पूजा की जाए और उनसे रोगों से रक्षा की प्रार्थना की जाए।

पूजा विधि

शीतलाष्टमी की पूजा सरल लेकिन अत्यंत श्रद्धापूर्ण होती है। पूजा से एक दिन पहले इस दिन घरों में पूरी, पूआ, हलवा, कढ़ी, दही, चने और मीठे पकवान बनाए जाते हैं। यह भोजन अगले दिन माता को अर्पित किया जाता है। पूजा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। स्वच्छ वस्त्र धारण करें। घर के पूजा स्थान या मंदिर में माता शीतला की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। माता को ठंडा या बासी भोजन अर्पित करें। नीम की पत्तियाँ, जल और पुष्प अर्पित करें। माता की कथा और आरती करें। परिवार के सभी सदस्य प्रसाद ग्रहण करें। यह माना जाता है कि इस दिन माता शीतला की सच्चे मन से पूजा करने पर परिवार में रोगों का प्रवेश नहीं होता।

क्या करेंः घर और आस-पास की साफ-सफाई रखें। माता शीतला के मंदिर जाकर दर्शन करें। नीम की पत्तियों का उपयोग करें। बच्चों और परिवार के स्वास्थ्य के लिए विशेष प्रार्थना करें।

क्या न करेंः घर में चूल्हा या गैस नहीं जलाना चाहिए। ताजा भोजन बनाने से बचना चाहिए। घर में झगड़ा या कलह नहीं करना चाहिए। अशुद्धता या गंदगी नहीं फैलानी चाहिए। इन नियमों का पालन करना इस पर्व का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

काशी और पूर्वांचल में शीतलाष्टमी की परंपरा

वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में शीतलाष्टमी का पर्व विशेष आस्था के साथ मनाया जाता है। सुबह-सुबह महिलाएं और परिवार के सदस्य शीतला माता के मंदिरों में दर्शन करने जाते हैं। मंदिरों में माता को बासी भोजन, दही, गुड़ और पूड़ी का भोग लगाया जाता है। कई स्थानों पर मेले भी लगते हैं और भक्तों की लंबी कतारें देखी जाती हैं। पूर्वांचल के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं इस दिन बच्चों के स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं।

लोकजीवन और संस्कृति में शीतलाष्टमी

भारतीय समाज में त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि वे समाज को जोड़ने का माध्यम भी होते हैं। शीतलाष्टमी का पर्व भी इसी परंपरा का हिस्सा है। इस दिन परिवार एक साथ बैठकर भोजन करते हैं, मंदिर जाते हैं और माता शीतला से स्वास्थ्य की कामना करते हैं। गांवों में महिलाएं पारंपरिक गीत भी गाती हैं। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में संतुलन, संयम और स्वच्छता कितनी महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य और विज्ञान से जुड़ा संदेश यदि हम शीतलाष्टमी की परंपराओं को वैज्ञानिक दृष्टि से देखें, तो उनमें स्वास्थ्य से जुड़ा गहरा संदेश दिखाई देता है। नीम का उपयोग रोगनाशक है। स्वच्छता से संक्रामक रोगों का खतरा कम होता है। मौसम परिवर्तन के समय संयमित भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। इस प्रकार शीतलाष्टमी का पर्व प्राचीन भारतीय समाज की स्वास्थ्य संबंधी समझ को भी दर्शाता है।

आधुनिक समय में शीतलाष्टमी का महत्व

आज के समय में जब दुनिया बार-बार महामारी और संक्रमण जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब शीतलाष्टमी का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि– स्वच्छता, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, प्रकृति के प्रति सम्मान और संयमित जीवन ही मानव जीवन की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

बांग्लादेश में वेश्याओं को दिए जा रहे हैं जानवरों वाले स्टीरॉयड

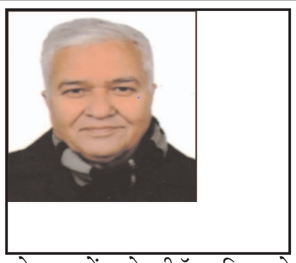

पिछले दिनों पाकिस्तान की 4 महिला पत्रकार बांग्ला देश की यात्रा पर गई थी, यहां उन्होंने बांग्ला देश में देह व्यापार में लिप्त करीब 3 लाख महिलाओं पर टिप्पणी करते हुए संयुक्त बयान में कहा था कि 90 फीसदी महिलाओं को ऐसे स्टीरॉयड की लत है जो जानवरों को मोटा करने के लिए दिया जाता है। पाकिस्तान मानवधिकार आयोग की आयशा अंजुमन का कहना है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान में छोटी लड़कियों को जानवरों वाले स्टीरॉयड दिए जाते हैं, ताकि वे जल्द ही जवान और आकर्षक दिख सकें। इन महिलाओं का कहना है कि एशियन देशों में महिलाओं के साथ जानवरों जैसा सलूक किया जा रहा है। वहीं पाकिस्तान की मशहूर वकील अंजुम रहीम ने कहा है कि एशियन देशों खासकर बंगला देश में महिलाओं का जिस प्रकार शोषण किया जा रहा है, उस पर बात करने की खास जरुरत है। एशियन देशों में महिलाओं के शोषण की बातें दुनियाभर के समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रही है। वहीं मुस्लिम देशों में महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचारों को भी विदेशी समाचार पत्र प्रथम पन्नों पर प्रकाशित कर रहे है। पाकिस्तान की महिला वकील अह्मद वकीला का कहना है कि अनेक कंपनियां एशियाई देशों में अपना कारोबार चमकाने के लिए कई प्रकार के अश्लील विज्ञापनों का सहारा ले रही है। उधर, बांग्ला देश में वेश्यावृति को कानूनी मान्यता प्राप्त है ओर सरकारी मान्यता प्राप्त वेश्याएं अपने अच्छे शरीर के दम पर अधिक से अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए रोज स्टीरॉयड्स का प्रयोग कर रही है, जोकि शरीर के लिए हानिकारक तो होता है लेकिन शरीर को हष्टपुष्ट बनाता है। बांग्ला देश में वेश्याएं वेश्यालयों की स्वामी जिन्हें वे मैडम कहती हैं,उनके अधीन जीवन व्यतीत करती है। अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा उन्हें देना पड़ता है। ऐसे में इन ड्रग के अति हानिकारक प्रभावों को जानने के बावजूद वेश्याएं अधिक कमाई की आशा में अपनी इच्छा से इस ड्रग का सेवन करती है और शीघ्र ही इन छोटी आयु की लड़कियों को इस नशे की लत लग जाती है। जिसके बाद उसे छोड़ने का मन होने पर भी वह इसे छोड़ नहीं सकती।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 2024 में कई वेश्याओं की जानवरों वाले स्टीरॉयड लेने से मौत हो चुकी है। बांग्ला देश की सरकार ने इस पर सख्त कार्रवाई करने की धमकी दी थी। सैक्स वर्कस कैम्पेन ग्रुप ने ब्रिटिश संस्था एक्शन एड से इसके बारे में पड़ताल करवाने की मांग की थी। ढ़ाका के बुद्धिजीवी कमल हुसैन का कहना है कि लड़कियों की मौत के रहस्य से पर्दा उठते ही बांग्ला देश के वेश्यालयों में हड़कंप मच गया है, सरकार स्टीरॉयड बंद करने पर विचार कर रही है। उनके अनुसार वेश्यालयों में प्रायःकमजोर और दुबली-पतली लड़कियां ही आती है। ग्राहकों को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए उन्हें मांसल शरीर पाने हेतु कई प्रकार के उपाय करने पड़ते है, जबकि स्टीरॉयड जादू की छड़ी की भांति काम करता है। चंद ही दिनों में दुबली-पतली लड़कियां मांसल बनकर उभरती है, और भारी शरीर ग्राहकों को अच्छा लगता है।

डाक्टरों के अनुसार बड़े पैमाने पर जानवरों को दिए जाने वाले स्टीरॉयड लिए जाने के कारण हृदय रोग, गुर्दा फेल होना, मोटापा ओर ओस्टियोपोरोसिस जैसे जानलेवा रोग हो सकते है। इन स्टेरॉयड का दो-तीन महीने लगातार प्रयोग करने पर शरीर पर खतरनाक प्रभाव देखने को मिल सकते है। कई वेश्याएं वर्षों से इसका लगाातर प्रयोग कर रही है। इसके प्रयोग से कई बार किडनी की समस्याएं खड़ी हो रही है। वैसे बांग्ला देश में बिना डाक्टरों की पर्ची के कोई दवा लेना-देना अपराध है, लेकिन कैमिस्टों की दुकानों पर बड़े धड़ल्ले से ये स्टेरॉयड्स बेचे जा रहे है, यहां तक कि यह चाय की दुकानों पर भी उपलब्ध है। 40 वर्षीय हसीना का कहना है मैं 20 वर्ष की आयु से वेश्यावृति के धंधे में काम कर रही हूं, तब से दवा ले रही हूं। अब दवाई की मुझे लत लग चुकी है और मैं इसे छोड़ नहीं पा रही हूं।

नारी सम्मान के पीछे छिपा दिखावे का कारोबार

-प्रियंका सौरभ

समाज में सम्मान का अर्थ कभी बहुत गहरा हुआ करता था। किसी को सम्मानित करना केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उसके संघर्ष, श्रम और योगदान को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने का एक नैतिक दायित्व माना जाता था। सम्मान का अर्थ था समाज की ओर से यह स्वीकार करना कि किसी व्यक्ति ने अपने जीवन से दूसरों के लिए रास्ता बनाया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक अजीब प्रवृत्ति तेजी से उभरी है–नारी सम्मान के नाम पर पुरस्कारों का बाजार।

आज ऐसा लगता है मानो हर संस्था, हर मंच और हर संगठन नारी शक्ति सम्मान, वुमन आइकन अवॉर्ड, वुमन लीडरशिप अवॉर्ड, ग्लोबल वुमन एक्सीलेंस अवॉर्ड जैसे भव्य नामों से पुरस्कार बाँटने की होड़ में लगा है। सोशल मीडिया खोलिए तो हर दूसरे दिन किसी न किसी महिला को अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मान या राष्ट्रीय महिला रत्न से सम्मानित किए जाने की तस्वीरें दिखाई देती हैं। मंच पर मुस्कुराते चेहरे, हाथों में चमकती ट्रॉफियाँ, और पीछे बड़े-बड़े बैनर–सब कुछ देखने में बेहद आकर्षक लगता है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे कई ऐसे सवाल छिपे हैं जिन्हें अक्सर पूछने से बचा लिया जाता है। सवाल यह नहीं कि महिलाओं को सम्मान क्यों दिया जा रहा है; सवाल यह है कि क्या ये सम्मान सचमुच सम्मान हैं, या केवल दिखावे और प्रचार का साधन बनते जा रहे हैं?

दरअसल आज नारी सशक्तिकरण एक ऐसा शब्द बन गया है जिसका प्रयोग जितना ज्यादा होता है, उसका वास्तविक अर्थ उतना ही कमजोर होता जाता है। मंचों पर बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, भाषणों में महिलाओं की शक्ति और क्षमता का गुणगान किया जाता है, लंबी-लंबी सूची में पुरस्कार बाँटे जाते हैं, फोटो खिंचते हैं, सोशल मीडिया पोस्ट बनते हैं और अगले दिन सब कुछ सामान्य हो जाता है। इस पूरे क्रम में अक्सर वह महिला गायब रहती है जिसके जीवन में सशक्तिकरण की सबसे ज्यादा जरूरत है।

भारतीय समाज में सम्मान का अर्थ केवल ट्रॉफी या प्रमाणपत्र नहीं था। किसी को सम्मानित करना उस व्यक्ति के सामाजिक योगदान को स्वीकार करना था। यह एक तरह से समाज की ओर से कहा गया धन्यवाद होता था–कि आपने अपने जीवन से दूसरों के लिए रास्ता बनाया। लेकिन जब सम्मान का उद्देश्य बदलकर प्रचार, नेटवर्किंग और व्यक्तिगत ब्रांडिंग बन जाए, तो उसका मूल्य भी धीरे-धीरे कम हो जाता है। आज कई पुरस्कार समारोह ऐसे होते हैं जिनमें वास्तविक चयन प्रक्रिया अस्पष्ट होती है। कई बार प्रतिभागियों को स्वयं नामांकन करना पड़ता है, कुछ जगहों पर नामांकन के साथ शुल्क भी लिया जाता है, और अंत में एक भव्य समारोह में लगभग सभी को सम्मानित कर दिया जाता है। ऐसे आयोजनों में सम्मान की गरिमा से ज्यादा महत्व मंच की सजावट, कैमरों की फ्लैश और सोशल मीडिया पोस्ट को दिया जाता है।

सोशल मीडिया के दौर ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। आज सम्मान केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि डिजिटल पहचान का हिस्सा बन गया है। किसी को भी कोई पुरस्कार मिलते ही उसकी तस्वीरें फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर साझा की जाती हैं। कैप्शन में लिखा जाता है–ह्णमुझे अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मान प्राप्त हुआ ह्ल इन पोस्टों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि मानो सम्मान प्राप्त करना ही सशक्तिकरण का अंतिम लक्ष्य हो। धीरे-धीरे यह स्थिति बन जाती है कि सम्मान पाने की होड़ असली काम से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है।

यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि संस्थागत स्तर पर भी दिखाई देती है। कई संगठन सम्मान समारोहों को अपने प्रचार का साधन बना लेते हैं। वे बड़ी-बड़ी उपाधियाँ देते हैं, मंच पर भव्य आयोजन करते हैं और फिर उस कार्यक्रम का उपयोग अपने संगठन की पहचान बढ़ाने के लिए करते हैं। कभी-कभी तो यह स्थिति भी देखने को मिलती है कि एक ही व्यक्ति कुछ महीनों के भीतर कई अलग-अलग संस्थाओं से सम्मानित हो जाता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर इतने पुरस्कार दिए जा रहे हैं तो क्या वास्तव में समाज की मेहनती और संघर्षशील महिलाएँ सामने आ रही हैं? ग्रामीण भारत में लाखों महिलाएँ हैं जो अपने परिवार, समाज और समुदाय के लिए अद्भुत काम कर रही हैं। वे स्वयं सहायता समूह चला रही हैं, गाँवों में शिक्षा का प्रचार कर रही हैं, पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रही हैं, या घरेलू हिंसा और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष कर रही हैं। कई महिलाएँ सीमित संसाधनों के बावजूद अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए अथक मेहनत कर रही हैं। कई महिलाएँ समाज की बंदिशों को तोड़कर अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं।

लेकिन इन महिलाओं के पास न तो बड़े मंचों तक पहुँच होती है और न ही प्रचार का साधन। इसलिए उनका काम अक्सर गुमनाम रह जाता है। वे सम्मान की सूची में शायद ही कभी दिखाई देती हैं। इसके विपरीत, कुछ लोग बार-बार सम्मानित होते रहते हैं। कभी किसी संस्था से महिला शक्ति सम्मानह्व, कभी किसी संगठन से महिला प्रेरणा अवॉर्ड, तो कभी किसी मंच से राष्ट्रीय महिला रत्न। यह स्थिति सम्मान की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचि लगा देती है।

आज यह कहना गलत नहीं होगा कि कुछ जगहों पर अवार्ड इंडस्ट्री विकसित हो चुकी है। इस उद्योग का एक तय ढाँचा होता है। पहले एक आकर्षक नाम से पुरस्कार की घोषणा की जाती है। फिर नामांकन आमंत्रित किए जाते हैं। इसके बाद चयन समिति का गठन होता है, जिसकी प्रक्रिया अक्सर पारदर्शी नहीं होती। अंत में किसी बड़े होटल या सभागार में समारोह आयोजित किया जाता है, जहाँ दर्जनों लोगों को सम्मानित किया जाता है।

कई बार इन आयोजनों में वास्तविक उपलब्धियों से ज्यादा महत्व संपर्क, पहचान और भुगतान को मिल जाता है। कुछ जगहों पर नामांकन या पंजीकरण शुल्क भी लिया जाता है। जब सम्मान भी एक उत्पाद की तरह बिकने लगे, तो उसकी नैतिकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

महिलाओं का सशक्तिकरण केवल पुरस्कारों से नहीं होगा। असली सशक्तिकरण तब होगा जब समाज महिलाओं को समान अवसर देगा। आज भी भारत में लाखों लड़कियाँ शिक्षा से वंचित हैं। कई महिलाएँ आर्थिक रूप से निर्भर हैं। घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव और सामाजिक दबाव जैसी समस्याएँ आज भी मौजूद हैं। अगर इन समस्याओं को दूर किए बिना केवल सम्मान बाँटे जाते रहेंगे, तो यह सशक्तिकरण का समाधान नहीं, बल्कि समस्या का सौंदर्यीकरण होगा।

सम्मान तब सार्थक होता है जब वह संघर्ष की पहचान बने, न कि केवल मंच की सजावट। अगर सम्मान प्रेरणा बनता है, तो वह समाज को आगे बढ़ाता है। लेकिन अगर वह केवल प्रतिष्ठा और प्रचार का साधन बन जाए, तो वह धीरे-धीरे अपना अर्थ खो देता है।

यह जिम्मेदारी केवल संस्थाओं की नहीं, बल्कि समाज की भी है। हमें यह समझना होगा कि सम्मान का मूल्य तभी है जब वह ईमानदारी और पारदर्शिता से दिया जाए। हमें यह भी देखना होगा कि जिन लोगों को सम्मान दिया जा रहा है, उनका काम वास्तव में समाज को किस तरह प्रभावित कर रहा है। अगर हम केवल चमक-दमक और बड़े नामों के आधार पर सम्मान तय करेंगे, तो वास्तविक योगदान करने वाले लोग हमेशा पीछे रह जाएँगे।

नारी सम्मान का उद्देश्य महिलाओं को समाज में उनकी वास्तविक भूमिका और योगदान के लिए पहचान देना होना चाहिए। लेकिन जब सम्मान केवल फोटो, प्रमाणपत्र और सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित रह जाए, तो वह सम्मान नहीं बल्कि सम्मान का बाजार बन जाता है। महिलाओं को ट्रॉफियों से ज्यादा जरूरत है समान अवसर, सुरक्षा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन की। उन्हें ऐसे समाज की जरूरत है जहाँ उनकी मेहनत को मंच की चमक के बिना भी पहचाना जाए। क्योंकि इतिहास यह नहीं पूछता कि किसी को कितने पुरस्कार मिले थे; इतिहास यह पूछता है कि उसने समाज के लिए क्या बदला। और शायद यही सवाल आज हमें खुद से भी पूछना चाहिए–कि हम सचमुच महिलाओं को सम्मान दे रहे हैं, या केवल सम्मान का एक नया बाजार खड़ा कर रहे हैं।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों पर पहली बार नदी आधारित लाइटहाउस बनेंगे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत ने अंतर्देशीय जलमार्ग नौवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और अभिनव कदम उठाते हुए केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे चार नदी आधारित लाइटहाउस (दीपस्तंभ) की आधारशिला रखी। यह देश में पहली बार है जब किसी अंतर्देशीय जलमार्ग पर लाइटहाउस अवसंरचना स्थापित की जा रही है। गुवाहाटी के लचित घाट पर आयोजित इस समारोह का संयुक्त रूप से आयोजन दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय (डीजीएलएल) तथा भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तत्वावधान में किया गया।

चारों लाइटहाउस - डिब्रूगढ़ जिले के बोगीबील, कामरूप (मेट्रो) जिले के पांडु, नगाँव जिले के सिलघाट (ये तीनों ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर स्थित हैं) तथा विश्वनाथ जिले के विश्वनाथ घाट (जो उत्तरी तट पर स्थित एकमात्र स्थल है) - पर ब्रह्मपुत्र नदी (राष्ट्रीय जलमार्ग-2) के रणनीतिक बिंदुओं पर स्थित हैं। राष्ट्रीय जलमार्ग-2 भारत के सबसे महत्वपूर्ण अंतर्देशीय माल और यात्री परिवहन गलियारों में से एक है। इन चारों लाइटहाउस परियोजनाओं की कुल लागत लगभग ?84 करोड़ है। प्रत्येक लाइटहाउस की ऊंचाई लगभग 20 मीटर होगी, जिसकी भौगोलिक सीमा 14 नॉटिकल मील तथा प्रकाश सीमा 8-10 नॉटिकल मील होगी और इन्हें पूर्णतः सौर ऊर्जा से संचालित किया जाएगा। नौवहन अवसंरचना के साथ-साथ प्रत्येक स्थल पर संग्रहालय, एम्फीथिएटर, कैफेटेरिया, बच्चों के खेल क्षेत्र, स्मारिका दुकान और विकसित सार्वजनिक स्थल भी बनाए जाएंगे, जिससे ये लाइटहाउस नौवहन सुविधा के साथ-साथ पर्यटन के प्रमुख आकर्षण भी बनेंगे। राष्ट्रीय जलमार्ग-2 पर नदी आधारित लाइटहाउस स्थापित करने का निर्णय ब्रह्मपुत्र जलमार्ग पर माल परिवहन में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान दर्ज 53 प्रतिशत की वृद्धि को ध्यान में रखकर लिया गया है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के अनुसार, राष्ट्रीय जलमार्ग-2 पर माल ढुलाई लगातार बढ़ रही है और ब्रह्मपुत्र कॉरिडोर अब असम के चाय, कोयला और उर्वरक उद्योगों की आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसके साथ ही यह यात्री और पर्यटन परिवहन को भी गति दे रहा है। प्रस्तावित लाइटहाउस 247 सुरक्षित नौवहन को संभव बनाएंगे, इनमें मौसम अवलोकन सेंसर भी स्थापित किए जाएंगे तथा ये नदी पर माल और यात्री परिवहन की सतत वृद्धि के लिए आवश्यक नौवहन अवसंरचना प्रदान करेंगे।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में अंतर्देशीय जलमार्ग केवल सड़क और रेल का विकल्प भर नहीं हैं, बल्कि उन्हें देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक सशक्त माध्यम के रूप में विकसित किया जा रहा है।

जलमार्ग से एक टन माल ढुलाई की लागत सड़क परिवहन की तुलना में बहुत कम होती है, कार्बन उत्सर्जन भी कम होता है और इससे सड़कों पर यात्री तथा समय-संवेदनशील वस्तुओं के लिए अधिक स्थान उपलब्ध होता है।

उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र पर बनने वाले ये लाइटहाउस इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि भारत की नदियां अब चौबीसों घंटे व्यापार और आवागमन के लिए तैयार हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भिवंडी में हेल्पिंग हैन्ड फाउंडेशन द्वारा बालिकाओं को मासिक धर्म स्वच्छता की दी गई जानकारी

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन द्वारा डोंगरी पाड़ा स्थित नवजीवन सेंटर में वंचित बालिकाओं के लिए मासिक धर्म स्वच्छता और व्यक्तिगत देखभाल विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 9 से 11 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 70 बालिकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने बालिकाओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा व्यक्तिगत साफ-सफाई के महत्व के बारे में सरल भाषा में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर प्रत्येक बालिका को दो सेनेटरी नैपकिन, एक स्नान तौलिया तथा अन्य व्यक्तिगत स्वच्छता सामग्री से युक्त किट वितरित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें आवश्यक स्वच्छता साधन उपलब्ध कराना था। बताया गया कि इन बालिकाओं के परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और आजीविका के लिए कचरा बीनने, दिहाड़ी मजदूरी या घरेलू कार्य पर निर्भर हैं। नवजीवन सेंटर इन बच्चों को शिक्षा और कौशल विकास से जोड़कर उनके समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी बालिकाओं को अल्पाहार भी वितरित किया गया। हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन 10 वर्षों से आदिवासी एवं वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा के माध्यम से समाज के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

महिला दिवस पर मुंबई में साड़ी वॉकथॉन, पैठणी–नौवारी में सजी महिलाओं ने दिखाया सांस्कृतिक गौरव का कौतुक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुंबई के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की ओर से साड़ी वॉकथॉन 2026 का आयोजन किया गया। तिच्या पाऊलात शक्ती (उसके कदमों में शक्ति) की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक पैठणी और नौवारी साड़ियों में भाग लेकर स्त्रीशक्ति और मराठी संस्कृति का शानदार प्रदर्शन किया। सुबह आरे चेक नाका और वाघदेवी मंदिर परिसर से शुरू हुई इस वॉकथॉन में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा, नथ और कपाली चंद्रकोर के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में संदेश लिखे फलक लेकर महिलाओं ने समाज में महिला सशक्तिकरण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं विधायक अमित साटम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए उनके सशक्तिकरण और विकास में सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया। इस अवसर पर नगरसेविका ममता यादव, नगरसेविका अंजली सामंत सहित भाजपा महिला मोर्चा और पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। वहीं नगरसेविका व भाजपा महिला मोर्चा उत्तर-पश्चिम मुंबई की जिलाध्यक्ष प्रिती मनोज सातम के नेतृत्व में आयोजित इस वॉकथॉन में ढोल-ताशों और लेझिम की धुन पर महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को व्यस्त जीवनशैली के बीच अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने का संदेश भी दिया गया। अंत में उत्कृष्ट वेशभूषा और उत्साही भागीदारी के लिए महिलाओं का सम्मान किया। इस कार्यक्रम की डिजाइनिंग व रुपरेखा स्कायरूट इवेंट मैनेजमेंट के लिए रेश्मा ज्ञाते की मुख्य भूमिका रही है।

युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फँसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया जाए : के. रवि (दादा) की केंद्र सरकार व उद्यमियों से अपील

मुंबई। विदेशों के युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फँसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पूरे राष्ट्र के लिए चिंता का विषय है। यह उदगार के. रवि (दादा), निदेशक-इंडिया मीडिया लिंक एंड इवेंट्स मैनेजमेंट, ने व्यक्त कि। उन्होंने केंद्र सरकार से एक विशेष पत्रकार परिषद मे अपील की है के सरकार तत्काल ठोस कदम उठाकर युद्ध में फँसे भारतीयों को सुरक्षित रूप से स्वदेश वापस लाने की व्यवस्था करे। के. रवि (दादा) ने कहा कि विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा कोई राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रहित का मुद्दा है। हमें भारत सरकार पर पूरा विश्वास है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों की गंभीरता को देखते हुए तुरंत प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। हमारा स्पष्ट मत है कि हर भारतीय नागरिक सुरक्षित, सम्मानपूर्वक और यथाशीघ्र भारत वापस लौटे, के रवि (दादा) ने सुझाव दिया कि आवश्यकता पड़ने पर विशेष बचाव अभियान चलाया जाए, अतिरिक्त विमान सेवाएँ शुरू की जाएँ तथा विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के बीच समन्वय को और अधिक मजबूत किया जाए। इस विषय पर सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों के साथ साथ देश के दयावान उद्यमियों को भी एकजुट होकर सरकार का सहयोग करना चाहिए, ऐसा भी आग्रह किया। साथ ही उन्होंने कहा कि मीडिया को जिम्मेदारी से कार्य करते हुए अफवाहों को रोकना चाहिए और जनता तक केवल सत्य व प्रमाणित जानकारी पहुँचानी चाहिए। के. रवि (दादा) ने आगे कहा कि उनका मैनेजमेंट सरकार को आवश्यक सहयोग, जानकारी और समन्वय प्रदान करने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है।उन्होंने दृढ़ शब्दों में कहा, भारतीय नागरिक दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो, वह भारत के ही है – उनकी सुरक्षा के लिए पूरा राष्ट्र एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। इस पत्रकार परिषद में आलोक कुमार कासलीवाल (ओनर-एस कुमार्स), प्रितम आठवले, सुरेश यादव (अध्यक्ष- क्रांती ग्राम विकास संस्था), निरेन निकम, हजरत. नाशिर पठान सहित सामाजिक क्षेत्र के अन्य मान्यवर भी उपस्थित थे।

उदय प्रताप सिंह को पुनः पार्टी प्रवक्ता बनाए जाने पर लोगों ने दी बधाई

संजय मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने उदय प्रताप सिंह को एक बार फिर पार्टी का प्रवक्ता नियुक्त किया है। उदय प्रताप सिंह इससे पहले भी पार्टी के प्रवक्ता के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। साथ ही वे सिद्धिविनायक मंदिर के भूतपूर्व ट्रस्टी भी रह चुके हैं।

उनके पुनः प्रवक्ता नियुक्त किए जाने की खबर मिलते ही समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उदय प्रताप सिंह का शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान रिंकू शर्मा, सोनू शर्मा, मोनू शर्मा सहित कई मित्रों और समर्थकों ने उपस्थित होकर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर बड़ी संख्या में समर्थक, मित्रगण और शुभचिंतक मौजूद रहे।

9 हजार 111 डोंबिवलीकरों ने रचा इतिहास - सामूहिक लेझीम के लिए नारीशक्ति हुई एकजुट

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डोंबिवली सहित कल्याण तालुका की 9 हजार 111 महिलाओं और छात्राओं ने एक साथ आकर सामूहिक लेझीम वादन कर विश्व रिकॉर्ड बनाया और डोंबिवली के सम्मान में एक नया मुकाम जोड़ा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और विधायक रविंद्र चव्हाण के डोंबिवलीकर एक सांस्कृतिक परिवार तथा कल्याण तालुका शारीरिक शिक्षण समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सामूहिक लेझीम वादन प्रतियोगिता में रविवार को यहां श्री संत सावलाराम क्रीड़ा संकुल के मैदान में ठाणे जिले की सैकड़ों स्कूलों की छात्राएं और महिलाएं एकत्रित हुईं। कुल ९,१११ महिलाओं ने सामूहिक रूप से लेझीम वादन कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड सांगली के नाम पर था। यह जानकारी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लंदन से आए अधिकारी स्वप्नील डांगरेकर ने दी। सांगली में इससे पहले 7 हजार 338 महिलाओं ने एक साथ लेझीम वादन कर रिकॉर्ड बनाया था, जिसे रविवार को डोंबिवली में तोड़ दिया गया। करीब साढ़े पाँच मिनट तक विभिन्न प्रात्यक्षिक प्रस्तुत करते हुए महिलाओं ने यह रिकॉर्ड बनाया।

इस अवसर पर डांगरेकर ने विधायक रविंद्र चव्हाण की पत्नी सुहासी रविंद्र चव्हाण को विश्व रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र और मेडल सौंपा। इस मौके पर रविंद्र चव्हाण ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लेझीम हमारी संस्कृति का हिस्सा है और इसे जीवित रखना हमारा कर्तव्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष शारीरिक व्यायाम पर जोर देते हुए दुनिया के सामने सशक्त भारत का संकल्प रखा है। उसी भावना से महिलाओं और छात्राओं ने मिलकर यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया है। एक डोंबिवलीकर होने के नाते मुझे इस पर बहुत गर्व है और मैं इस रिकॉर्ड को भारत माता के चरणों में समर्पित करता हूँ। उन्होंने कल्याण तालुका शारीरिक शिक्षण समिति का आभार व्यक्त किया और शिक्षकों व विद्यार्थियों को महिला दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

इस दौरान पूरा माहौल भारत माता की जय, जय श्रीराम और वंदे मातरम् के नारों से गूंज उठा। हर किसी के चेहरे पर विश्व रिकॉर्ड बनाने की खुशी साफ दिखाई दे रही थी। लेझीम की गूंज चारों ओर सुनाई दे रही थी। ढोल-ताशों की धुन पर हजारों डोंबिवलीकरों ने इस रिकॉर्ड का स्वागत किया और सभी प्रतिभागियों की सराहना की।

इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने के लिए सुबह से ही लोग मैदान में जुटे हुए थे। जैसे ही विश्व रिकॉर्ड की घोषणा हुई, पूरे मैदान में जबरदस्त उत्साह और खुशी का माहौल बन गया।

भिवंडी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जी.एम. मोमिन वीमेंस कॉलेज स्टडी सेंटर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जी.एम. मोमिन वीमेंस कालेज के वाई.सी.एम.ओ.यू स्टडी सेंटर के तत्वावधान में रईस हाई स्कूल के उर्दू बसेरा हाल में महिलाओं के सम्मान में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज की चेयरपर्सन सहेबा शगफ पठान ने किया जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अंसारी साफिया गर्ल्स हाई स्कूल की प्रिंसिपल हुसना अंसारी उपस्थित रहीं। विशेष अतिथि के रूप में शाजिया परवीन (पूर्व छात्रा वाई सी एम सी यू व काउंसलर, आईजीएम हॉस्पिटल, एचआईवी विभाग) भी मौजूद थीं। इस अवसर पर के.एम.ई. सोसायटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन, रईस हाई स्कूल के चेयरमैन यासर तातली, प्रिंसिपल जिया-उर-रहमान अंसारी, सफा आगा, नाज़िमा शेख सहित स्टडी सेंटर के शिक्षक सोफिया मोमिन, जाकिर हुसैन खान, डॉ. कुतुबुद्दीन शाहिद, डॉ. अबू साद एजाज, जफर आलम खान और सैयद एजाज हाशमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत कुरआन-ए-पाक की तिलावत से हुई। स्टडी सेंटर के समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी ने अतिथियों का परिचय कराया। अपने संबोधन में प्रिंसिपल जिया-उर-रहमान अंसारी, सहेबा शगफ पठान और मुख्य अतिथि हुसना अंसारी ने महिलाओं के अधिकार, सम्मान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में छात्राओं अंसारी सानिया, निदा शकील अंसारी और अंसारी उम्मे मारिया ने कविता व भाषण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन छात्रा खान सुंदुस ने किया, जबकि सोफिया मोमिन ने आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विनोद तावड़े को राज्यसभा में भेजा जाना समर्पित संगठनकर्ता का सम्मानः भवानजी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए वरिष्ठ नेता, राष्ट्रीय महामंत्री तथा महाराष्ट्र के पूर्व शिक्षा मंत्री विनोद तावड़े के नाम की घोषणा किए जाने से कार्यकताओं में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। यह निर्णय संगठन के प्रति उनके दीर्घकालीन समर्पण और प्रभावी नेतृत्व की स्वीकृति के रूप में देखा जा रहा है। मुंबई भाजपा के वरिष्ठ नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने श्री तावड़े के चयन पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह समर्पित और निष्ठावान संगठनकर्ता का सम्मान है।

नामांकन की घोषणा के पश्चात श्री तावड़े ने अपने सामाजिक माध्यम पर शीर्ष नेतृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में प्रत्येक क्षण राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के प्रति भी आभार प्रकट किया।महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में विनोद तावड़े ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, गुणवत्तापूर्ण पाठ्यक्रम और प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता दी। उन्होंने विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में व्यवस्थागत सुधारों की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए।

ज्ञात हो श्री तावड़े ने एबीवीपी के साथ छात्र राजनीति की शुरूआत की और बाद में मुंबई भाजपा अध्यक्ष के अध्यक्षऔर बीजेपी के महाराष्ट्र महासचिव के रूप में भी कार्य किया।

राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में वे संगठन विस्तार, कार्यकर्ता प्रशिक्षण और जनसंपर्क अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी कार्यशैली संवाद, सरलता और सहज उपलब्धता के लिए जानी जाती है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय में वे आम नागरिकों, कार्यकर्ताओं तथा पत्रकारों से आत्मीयता के साथ मिलते हैं और उनकी समस्याओं के समाधान हेतु गंभीर प्रयास करते हैं। श्री भवानजी ने श्री तावड़े को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किए जाने पर पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए इसे समर्पित संगठनकर्ता का सम्मान बताया है। उनका मानना है कि विनोद तावड़े का अनुभव, संतुलित दृष्टिकोण और संगठनात्मक दक्षता राज्यसभा में पार्टी की भूमिका को और सशक्त बनाएगी। उन्होंने कहा कि विनोद तावड़े का सार्वजनिक जीवन यह दर्शाता है कि निरंतर परिश्रम, संगठन के प्रति निष्ठा और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने की भावना किसी भी जननेता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। राज्यसभा के लिए उनकी उम्मीदवारी न केवल उनके राजनीतिक सफर का महत्वपूर्ण पड़ाव है, बल्कि यह संगठन के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का सम्मान भी है।

भवानजी ने कहा कि उनकी उम्मीदवारी से यह संदेश स्पष्ट है कि नेतृत्व अनुभव, समर्पण और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है तथा राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रतिबद्ध नेताओं को आगे बढ़ाने का कार्य निरंतर जारी है।

बोईसर शहर में उत्साह के साथ मनाई गई संत तुकाराम महाराज बीज उत्सव

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर में संत तुकाराम महाराज बीज का पर्व हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़े श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। दत्तवाड़ी स्थित दत्त मंदिर में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में वारकरी परंपरा के अनुसार विभिन्न आध्यात्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर 12 बजे संत तुकाराम महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद गजानन देशमुख के हाथों वीणा पूजन, टाल पूजन, मृदंग पूजन तथा हार्मोनियम पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात चक्रिय प्रवचन का आयोजन किया गया, जिसमें प्रमुख अतिथि के रूप में गायनाचार्य (नवी मुंबई) ह.भ.प. सौ. सुरेखा ताई सिनलकर तथा ह.भ.प. सौ. जयश्रीताई चौधरी ने अपने प्रवचनों से उपस्थित भक्तों को आध्यात्मिक संदेश दिया। दोपहर 4.30 से 6 बजे तक ह.भ.प. सौ. शीतल ताई विजय शिंदे के मार्गदर्शन में हरिपाठ व वारकरी फुगडी कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं शाम 7 से 9 बजे तक ह.भ.प. चंद्रकांत महाराज तेजम (नवी मुंबई) का सुश्राव्य हरिकीर्तन हुआ, जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर शिवाजी नगर, पास्थल, आजाद नगर तथा बोईसर के विभिन्न भजनी मंडलों ने कीर्तन में साथ दिया। कार्यक्रम में गायनाचार्य ह.भ.प. हेमराज महाराज पाटील, ह.भ.प. पांडुरंग महाराज हावले, शंकर महाराज हावले, मनोहर सालुंके महाराज, सागर पाटील, सुनील महाराज सोनवणे, शीतलताई शिंदे, राजेंद्र शेवाले महाराज, गोरक्ष सातपुते महाराज, सुभाष जाधव, लक्ष्मण सुतार महाराज तथा अलका माने सहित अनेक भजनी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के समापन पर सत्कार समारोह आयोजित किया गया तथा श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया। महाप्रसाद अन्नदान में संतोष मराठे (महाराष्ट्र प्रदेश चिटणीस, राष्ट्रवादी), बालासाहेब विचारे (शादावल ट्रान्सपोर्ट), हरिओम ज्वेलर्स चित्रालय, संजूदादा नारखेडे, सरोदे दादा, कुमारदादा, सुभाषदादा महाजन सहित अनेक दानदाताओं का सहयोग रहा। हरिकीर्तन का सौजन्य उमाकांत राघू, तुलजा भवानी ट्रान्सपोर्ट द्वारा किया गया।

आसनगांव, दहानू में धूमधाम से मनी शिवजयंती उत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के डहाणू तहसील अंतर्गत स्थित आसनगांव (पाटील पाडा) में शिवतीर्थ प्रतिष्ठान के तत्वावधान में 6 मार्च 2026 को छत्रपति शिवाजी महाराज की शिवजयंती तिथि के अनुसार बड़े ही उत्साह व भव्यता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भव्य रैली, पारंपरिक युद्धकला के रोमांचक प्रदर्शन व देशभक्ति के माहौल ने पूरे क्षेत्र को शिवमय कर दिया।

ब। कार्यक्रम की शुरूआत छत्रपति शिवाजी महाराज के अश्वारूढ़ प्रतिमा के पूजन एवं अभिवादन से हुई। इसके बाद शाम करीब 5 बजे शिवाजी महाराज की प्रतिमा के साथ भव्य रैली निकाली गई। डीजे की धुनों व जयघोष के बीच निकली यह रैली शिवतीर्थ आसनगांव से वाणगांव स्टेशन, नाका होते हुए पुनः शिवतीर्थ आसनगांव तक निकाली गई, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस पीएसआई मिराज पठाण तथा पूर्व पंचायत समिति सभापति सुरेंद्र पाटील (डहाणू) उपस्थित रहे। स्वराज्य मदार्नी खेल प्रशिक्षण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अक्षय तलेकर ने छत्रपति शिवाजी महाराज की अश्वारूढ़ प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर शिवतीर्थ प्रतिष्ठान, आसनगांव के अध्यक्ष आशिष पाटील ने मुख्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में गणेश पाटील, भरत कोरे, काशीनाथ पाटील, जगदीश दलवी सहित अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। रैली की शुरूआत श्रीफल फोड़कर की गई।रात्रि 9 बजे स्वराज्य मदार्नी खेल प्रशिक्षण संस्था, केम (जि. सोलापुर) के कलाकारों द्वारा शिवकालीन युद्धकला के रोमांचक प्रदर्शन प्रस्तुत किये गये। लाठी-काठी, दांडपट्टा, तलवारबाजी, भाला, विटा, पाशचक्र व मांडू जाल जैसे पारंपरिक युद्धकौशल के दमदार प्रदर्शन ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम के दौरान छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान मास के उपलक्ष्य में नित्य नियम का पाठ किया गया। इसके बाद ह्लजय जय महाराष्ट्र माझाह्व राज्यगीत के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज व उनके द्वारा स्थापित हिंदवी स्वराज्य को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। शिवतीर्थ प्रतिष्ठान के सभी सदस्यों व आसनगांव के ग्रामस्थों के सहयोग से यह शिवजयंती उत्सव अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

इमामबाड़ा में तोड़फोड़ व चोरी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र में इमामबाड़ा में तोड़फोड़ कर चोरी करने के मामले में पुलिस ने तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की गई चांदी के जरीह बेचने से प्राप्त नकदी और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपराध और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के निर्देशन में कोतवाली पुलिस ने यह कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में उपनिरीक्षक जयदीप कोल व उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर छोटी लाइन मस्जिद के पास स्थित एक रेस्टोरेंट के समीप से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में कन्हैया बिन्द (20) पुत्र पंचम बिन्द, अमर बिन्द उर्फ मण्डोले (19) पुत्र पारस बिन्द और दीपक

बिन्द उर्फ दीपू (24) पुत्र चन्द्रशेखर बिन्द निवासी मानेपुर थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से चोरी किए गए चांदी के जरीह को बेचने से प्राप्त 1850 रुपये नकद तथा आरोपी दीपक बिन्द के पास से एक आसमानी रंग का नार्जो मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया है। गिरफ्तारी टीम में निरीक्षक महमूद आलम अंसारी, उपनिरीक्षक जयदीप कोल, हेड कांस्टेबल सरोज कुमार, हेड कांस्टेबल समीम अख्तर और कांस्टेबल कुंवर अविनाश सिंह शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में महिलाओं को किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में मिशन शक्ति अभियान के तहत भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर सरकार की विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई और उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह ह्यप्रिंसूह्न तथा भाजपा जिलाध्यक्ष मछलीशहर डॉ. अजय सिंह मौजूद रहे। इस दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया और मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना गया। साथ ही पिंक रोजगार महाकुंभ पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वाराणसी मंडल की महिलाओं से संवाद किया। इसी क्रम में जौनपुर की प्रगतिशील किसान और महिला उद्यमी दुर्गा मौर्या से भी बातचीत की गई। उन्होंने बताया कि वह एफपीओ का संचालन कर रही हैं और मिलेट्स की खेती के साथ उससे बने उत्पादों की पैकेजिंग और मार्केटिंग भी करती हैं। इसके अलावा नमकीन सहित अन्य उत्पादों की प्रोसेसिंग और विपणन भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करने की बात कही। उन्होंने जौनपुर की प्रसिद्ध इमरती के साथ-साथ यहां की महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे नमकीन उत्पादों और इत्र की भी सराहना की। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं और विभिन्न योजनाओं की लाभार्थी पल्लवी श्रीवास्तव, परी जायसवाल, अनीता दूबे, दुर्गा मौर्या, साधना खरवाल और मीरा देवी समेत कई महिलाओं को प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत मुख्य सेविका पद पर नवचयनित कल्पना यादव, कुसुम लता, दिव्या सिंह और अंशिता मिश्रा सहित अन्य चयनित महिलाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार कार्य कर रही है, जिससे महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज और देश का नाम रोशन कर रही हैं। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने सभी अतिथियों और महिलाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

सफल महिला के पीछे भी पुरुषों का योगदान: डॉ.अंजना सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाज में अक्सर कहा जाता है कि हर सफल पुरुष के पीछे एक महिला का हाथ होता है, लेकिन भाजपा नेत्री और समाजसेवी डॉ. अंजना सिंह ने इस धारणा को नया दृष्टिकोण देते हुए कहा कि एक सफल महिला के पीछे भी पुरुषों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। डॉ.अंजना सिंह ने कहा कि जीवन के हर पड़ाव पर पुरुषों का सहयोग एक महिला को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि एक सहयोगी पिता बचपन से ही बेटी को आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करते हैं। इसी तरह भाई हर परिस्थिति में सुरक्षा और सहयोग का भाव देते हैं, जबकि कार्यस्थल पर सहयोगी कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलते हैं। वहीं पति

जीवन में एक मजबूत स्तंभ की तरह खड़े होकर महिला को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

डॉ. सिंह का कहना है कि जिस प्रकार एक पुरुष मां के स्नेह, बहन के सहयोग और पत्नी के त्याग के बिना सफलता प्राप्त नहीं कर सकता, उसी प्रकार एक महिला भी पिता, भाई, पति या परिवार के अन्य पुरुषों के सहयोग से जीवन में आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि स्त्री और पुरुष एक-दूसरे के पूरक हैं और समाज के विकास के लिए दोनों का सम्मान और सहयोग जरूरी है। डॉ. अंजना सिंह ने उन सभी पुरुषों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने कठिन समय में महिलाओं का साथ देकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

पोखरे में डूबकर किशोर की मौत, पोखरा मालिकों पर गंभीर आरोप

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के अहमदपुर गांव में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय किशोर की पोखरे में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक का माहौल है। मृतक के परिजनों ने पोखरा मालिकों पर गंभीर आरोप लगाते हुए घटना के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया है। जानकारी के अनुसार अहमदपुर गांव निवासी सतीश गौतम पुत्र स्व. गिरधारी लाल ने आरोप लगाया कि गांव के ही निवासी रिंकू सिंह और कृपाशंकर ने उनके घर के पास रास्ता खोदकर करीब 20 फीट गहरा गड्ढा बनाते हुए पोखरा खुदवा दिया था। इसको लेकर बस्ती के लोगों ने पहले भी विरोध किया था और राजस्व विभाग में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की थी। परिजनों के मुताबिक रविवार दोपहर सतीश गौतम के भाई प्रवीण कुमार का 14 वर्षीय पुत्र समीर उर्फ यश गौतम कुछ लड़कों के साथ पोखरे के पास खेल रहा था। आरोप है कि उसी दौरान रिंकू सिंह और कृपाशंकर ने उसे अपने पास बुलाया और जबरदस्ती पोखरे में मछली डालने को कहा। इसी दौरान किशोर गहरे पानी में डूबने लगा। बताया जाता है कि जब वह डूबने लगा तो दोनों आरोपी मौके से भाग निकले। उसके साथ मौजूद अन्य लड़कों ने शोर मचाया, जिस पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और किशोर को पानी से बाहर निकाला। उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) और 125 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

बाइक की टक्कर से घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास बाइक की टक्कर से घायल हुई महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के शेउर गांव निवासी मालती प्रजापति (55) पत्नी स्वर्गीय खरपत्तु प्रजापति शनिवार दोपहर अपने पुत्र संगम के साथ बाइक से सिरकोनी हौज गांव स्थित ट्रामा सेंटर से सीटी स्कैन कराकर घर लौट रही थीं। इसी दौरान जलालपुर थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक बाइक सवार ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक पर पीछे बैठी मालती देवी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद पुत्र संगम ने तत्काल निजी एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला बाइक सवार मौके से बाइक समेत फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार बाइक सवार की तलाश में जुटी हुई है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कार्यशाला, 42 महिलाओं को मिला सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केंद्र/वूमेन सेल के तत्वावधान में ह्लैंगिक असमानता के प्रति जागरूकताह्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला, सम्मान समारोह और छात्राओं के लिए शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में उपलब्धि का परचम लहरा रही हैं और समाज को उन्हें उचित सम्मान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं में हर परिस्थिति से संघर्ष कर आगे बढ़ने की अद्भुत क्षमता होती है। उनके विचार छात्राओं और उपस्थित महिलाओं के लिए प्रेरणादायी रहे। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. वंदना सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में इस प्रकार के प्रशिक्षण से छात्राओं की शारीरिक क्षमता के साथ मानसिक दृढ़ता और राष्ट्र सेवा की भावना भी मजबूत होती है। इस अवसर पर कुलसचिव केश लाल और परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए अनुशासन और देशभक्ति को जीवन में प्राथमिकता

देने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, सामाजिक सेवा, प्रशासन, चिकित्सा, उद्यमिता, कला और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 42 महिलाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय के नवनिर्मित फायरिंग रेंज में छात्राओं के लिए एयर राइफल शूटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में उजाला बिंद ने प्रथम, शालिनी भारती ने द्वितीय और मुस्कान मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का संचालन महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज और शैक्षणिक परिसर में महिलाओं के प्रति लैंगिक संवेदनशीलता बढ़ाना तथा छात्राओं को उनके अधिकारों और अवसरों के प्रति जागरूक करना है। इस दौरान एनसीसी प्रभारी डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय, श्याम तिवारी, प्रो. अखिलेश्वरी सिंह, डॉ. ममता सिंह, डॉ. मंजू, डॉ. संगीता, राकेश सिंह, विमल श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्राएं और अन्य लोग मौजूद रहे।

महाकवि पं.रूप नारायण त्रिपाठी की 36वीं पुण्य स्मृति पर होगा गीत रूप नमन समारोह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कालजयी रचनाकार, पत्रकार और महाकवि पं.रूप नारायण त्रिपाठी की 36वीं पुण्य स्मृति पर 9 मार्च को गीत रूप नमन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम उ.प्र. भाषा संस्थान लखनऊ और रूप सेवा संस्थान जगतगंज के संयुक्त तत्वावधान में जगत नारायण इंटर कॉलेज, जगतगंज परिसर में आयोजित होगा, जिसमें अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी किया जाएगा। पं.रूप नारायण त्रिपाठी अपनी रचनाओं में गांव की माटी की सुगंध, भारतीयता और मानवीय संवेदनाओं को सशक्त रूप से अभिव्यक्त करने वाले कालजयी रचनाकार थे। उनकी कविताओं में जीवन दर्शन, सामाजिक सरोकार और गंगा-जमुनी तहजीब की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में वे राष्ट्रगीतों की रचना करते हुए प्रभात फेरियों और कविता मंचों से जुड़े रहे। साथ ही उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाई। बाद में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित लोक साहित्य समिति में राहुल सांकृत्यायन और डॉ. विद्यानिवास मिश्र के साथ मिलकर लोकगीतों के संग्रह और लोक साहित्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

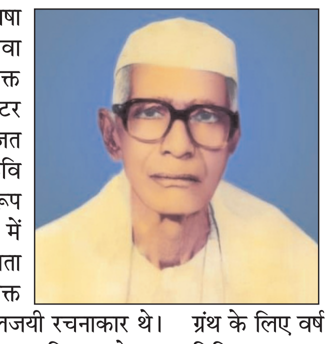

उनकी रचनाओं में मानवीय मूल्यों और जीवन की सादगी का गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। उनकी प्रसिद्ध पंक्तियां– रूप सुन्दर चलन भी सुन्दर हो, बदेह का आचरण भी सुन्दर हो, सार्थक है उसी की सुन्दरता, जिसका अन्तःकरण भी सुन्दर हो। आज भी लोगों को प्रेरित करती हैं। पं.त्रिपाठी को साहित्य के क्षेत्र में कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। उनकी कृति माटी की मुस्कान को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा केशव पुरस्कार मिला, जबकि पूरब की आत्मा काव्य ग्रंथ के लिए वर्ष 1978 में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान ने विशिष्ट काव्य पुरस्कार प्रदान किया। इसके अलावा उन्हें सारस्वत सम्मान, राष्ट्रीय महाकवि, मलिक मोहम्मद जायसी और साहित्य महोपाध्याय जैसे अलंकरणों से भी सम्मानित किया गया।

महाकवि पं. रूप नारायण त्रिपाठी का 9 मार्च 1990 को निधन हो गया था। तब से प्रतिवर्ष उनकी पुण्य स्मृति में यह आयोजन किया जाता है, जिसमें देशभर के कवि और साहित्यकार भाग लेकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को नारी शक्ति, सम्मान और समानता, अधिकार हेतु दिया संदेश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्व ज्योति जनसंचार समिति के तत्वावधान में रमसीपुर में महिलाओं व लड़कियों के अधिकार, समानता और सशक्तिकरण

के विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन शर्मिला एवं सुनिधि मौर्या ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता आशीष भाई पटेल ने की। और विषय प्रवेश प्रमोद ने किया। सिलाई सेंटर की लड़कियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता के रूप में आशना कुमारी प्रजापति ने महिलाओं के अधिकार, शिक्षा और सशक्तिकरण पर जोर दिया इस दौरान प्रेरणा कलामंच के कलाकारों द्वारा 'जाग नारी रे' नाटक का मंचन किया गया, जिसने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। अंत में होली मिलन समारोह आयोजित कर आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया।इस कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं किशोरियों व बच्चों ने भाग लिया।इस अवसर पर उपनिरीक्षक सतीश चन्द्र गुप्ता, ग्राम प्रधान रमसीपुर आशीष भाई पटेल, मनरेगा में सोनी शर्मा, मुख्य वक्ता आशना कुमारी प्रजापति उपस्थित रहे।

रात 10 बजे के बाद खुला शटर, गाड़ी में लोड हुई शराब की पेटियां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सद्भावना तिराहे पर संचालित कंपोजिट वाइन शॉप पर निर्धारित समय के बाद भी शराब बिक्री और लोडिंग का मामला सामने आया है। आबकारी विभाग द्वारा तय समय सीमा रात 10 बजे तक होने के बावजूद यहां देर रात तक नियमों की अनदेखी की जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार अक्सर रात 10 बजे के बाद दुकान का शटर नीचे करके उसके नीचे से शराब बेचे जाने की शिकायतें मिलती रहती हैं। हाल ही में रात करीब 10:30 बजे के बाद दुकान का शटर खोलकर शराब की पेटियां एक वाहन में लोड की गईं, जिसका वीडियो भी बनाया गया है। बताया जा रहा है कि आबकारी विभाग के निर्देशों के अनुसार शराब की बिक्री का समय सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक निर्धारित है। इसके बावजूद संबंधित दुकान पर देर रात तक शराब बिक्री और ओवररेटिंग की शिकायतें सामने आती रहती हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि देर रात तक शराब बिक्री के कारण क्षेत्र में शराबियों की भीड़ लग जाती है, जिससे आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों ने आरोप लगाया कि बिना विभागीय मिलीभगत के इस तरह खुलेआम नियमों का उल्लंघन संभव नहीं है। इस मामले में जब जिला आबकारी अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनसे बात नहीं हो सकी। ऐसे में स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी और आबकारी विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था और शांति बनी रह सके।

18 मार्च से शुरू होगा यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से शुरू होकर 1 अप्रैल तक प्रदेश के 249 केंद्रों पर किया जाएगा। मूल्यांकन प्रक्रिया को गोपनीय और पारदर्शी बनाए रखने के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं की गोपनीयता बनाए रखना अनिवार्य होगा। किसी भी स्तर पर मौखिक, लिखित, डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उत्तर पुस्तिका या मूल्यांकन से संबंधित कोई भी जानकारी साझा करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। गोपनीयता भंग होने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मूल्यांकन कार्य की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएंगे। वहीं प्रत्येक केंद्र पर जिलाधिकारी की ओर से स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी। मूल्यांकन कार्य वॉयस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में कराया जाएगा, जिसकी कनेक्टिविटी जिला और राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से होगी। मूल्यांकन में लगे शिक्षक और कर्मचारी मोबाइल फोन या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को मूल्यांकन कक्ष में नहीं ले जा सकेंगे। केंद्रों की सुरक्षा के लिए एलआईयू और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की जाएगी। परिषद के अनुसार 17 मार्च को सभी मूल्यांकन केंद्रों पर उप नियंत्रक द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) द्वारा शिक्षकों को परिचय पत्र जारी किए जाएंगे। मूल्यांकन कार्य पूरा होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के बंडलों को परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक ट्रक के साथ दो सशस्त्र पुलिसकर्मी भी तैनात किए जाएंगे।

आजमगढ़ में कूटरचित दस्तावेज से दूसरा पासपोर्ट बनवाने वाला आरोपी गिरफ्तार

◆ नाम व जन्मतिथि बदलकर बनवाया था नया पासपोर्ट

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के फूलपुर थाना क्षेत्र में कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नाम और जन्मतिथि में हेरफेर कर दूसरा पासपोर्ट बनवाने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 20 फरवरी 2026 को उपनिरीक्षक दयानंद द्वारा लिखित सूचना दी गई थी कि थाना फूलपुर क्षेत्र के ग्राम सदरपुर बरौली निवासी प्रमोद कुमार गौड़ पुत्र देवीचरन गौड़ ने अपने नाम और जन्मतिथि में हेरफेर कर पासपोर्ट बनवाया है। जांच में पता चला कि आरोपी ने वर्ष 2007 में प्रमोद कुमार गौर पुत्र देवीचरन गौर, जन्मतिथि 30 अप्रैल 1978 के नाम से पासपोर्ट बनवाया था, जिसकी वैधता 2017 तक थी। पासपोर्ट की अवधि समाप्त होने पर 14 अगस्त 2017 को पासपोर्ट का नवीनीकरण कराया गया, जिसकी वैधता 13 अगस्त 2027 तक है। इसके बाद आरोपी ने अपना नाम और जन्मतिथि बदलकर दूसरा पासपोर्ट संख्या व6288024 बनवा लिया, जो कूटरचना और

भ्रामक तथ्यों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने की श्रेणी में आता है। मामले के प्रकाश में आने पर थाना फूलपुर में मुकदमा संख्या 55/2026 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस तथा 12(1)(बी) पासपोर्ट अधिनियम के तहत आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक राजेंद्र कुमार द्वारा की जा रही है। रविवार को पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान वांछित आरोपी प्रमोद कुमार गौड़ (उम्र लगभग 43 वर्ष) को उसके घर के बाहर ग्राम सदरपुर बरौली से सुबह लगभग 8:35 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक वासुदेव मिश्रा और कांस्टेबल विशाल गौड़ शामिल रहे। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ दर्ज यह मुकदमा ही उसका आपराधिक इतिहास है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकी अधूरी, ग्रामीणों में नाराजगी

इम्तियाज अहमद की रिपोर्ट

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड शाहगंज सोंधी क्षेत्र के कस्बा मानी

कलां सहित आसपास के कई गांवों में हर घर जल जीवन मिशन के तहत बन रही पानी की टंकी का निर्माण कार्य अभी तक अधूरा पड़ा हुआ है। कस्बा मानी कलां, ग्राम मवाई, सनदहा और ग्राम बरंगी में काफी समय पहले पानी की टंकी का निर्माण कार्य शुरू किया गया था,

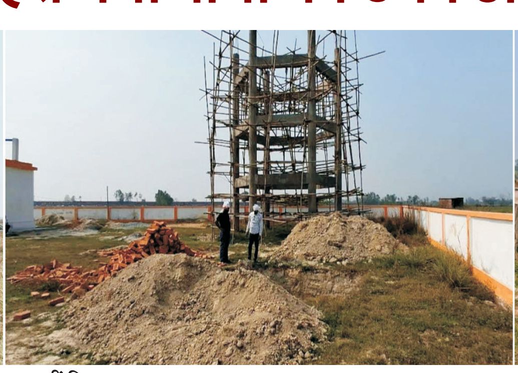

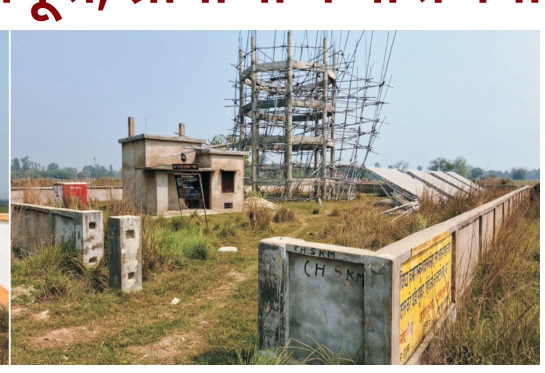

लेकिन आज तक इसे पूरा नहीं किया जा सका है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन इन गांवों में टंकी अधूरी होने के कारण लोगों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। अधूरे निर्माण के चलते ग्रामीणों को आज भी पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

6 मार्च 2026 को उत्तर शक्ति के उप संपादक द्वारा ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर हर घर जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर निर्माण कार्य अधूरा पाया गया, जिससे योजना की जमीनी हकीकत सामने आई। इस संबंध में जब ठेकेदार से बात की गई और पूछा गया कि कार्य अधूरा क्यों पड़ा है, तो उन्होंने बताया कि समय पर भुगतान न होने के कारण काम में देरी हुई है। बताया गया कि पहले इस कार्य का ठेका राजस्थान के एक ठेकेदार को दिया गया था, लेकिन समय पर कार्य पूरा न करने के कारण उसे हटा दिया गया। वह कई स्थानों पर काम अधूरा छोड़कर चला गया था। फिलहाल हर घर जल जीवन मिशन के तहत होने वाले कार्यों का ठेका एक प्राइवेट कंपनी को दिया गया है। कंपनी का कहना है कि पूर्व ठेकेदार द्वारा अधूरा छोड़े गए कार्यों और अन्य कारणों से निर्माण प्रभावित हुआ, जिसे जल्द पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले का संज्ञान लेकर अधूरे पड़े कार्यों को जल्द पूरा कराया जाए, ताकि लोगों को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिल सके।

वोट ही है असली हथियार: तूफानी सरोज

सपा कार्यालय पर सपाइयों ने खेली पुष्प वर्षा की होली

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के सिहौली चौराहे के समीप स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर विधानसभा अध्यक्ष नीरज पहलवान की अध्यक्षता में मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद कार्यकताओं ने फूलों की होली खेलकर आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। मासिक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक तूफानी सरोज ने

कार्यकताओं पर पुष्प वर्षा कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सजग प्रहरी के रूप में बूथों पर मुस्तैद रहें और अपने मतदाताओं की रक्षा व सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में वोट ही असली हथियार है, इसलिए हर कार्यकर्ता को मतदाताओं के बीच जाकर पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को बताना चाहिए। वहीं विधानसभा अध्यक्ष नीरज पहलवान ने कहा कि होली का त्योहार सतरंगी रंगों को एक रंग में मिलाकर आपसी प्रेम, एकता और मानवता का संदेश देता है। समाज में भाईचारा और सौहार्द बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर पूर्व प्रत्याशी संजय सरोज, आजाद कुरैशी, सुरेश यादव, लूकमान अहमद, आरती महाजन, रामेश्वर, भगवती सरोज, सुभाष यादव, गुड्डू चौहान, सोनू पांडे, धर्मेंद्र गौतम, रामराज राजभर, मुन्ना यादव, रमेश यादव, जालिम सिंह सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक का संचालन महासचिव पवन मंडल ने किया।

पीयू में शूटिंग प्रतियोगिता, छात्राओं ने साधा सटीक निशाना, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परिसर स्थित शूटिंग रेंज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर छात्राओं के लिए एक भव्य शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कड़े मुकाबले के बाद उजाला बिंद ने प्रथम स्थान, शालिनी भारती ने द्वितीय स्थान तथा मुस्कान मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के एनसीसी प्रभारी डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने एनसीसी की गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस प्रतियोगिता का आयोजन 98 बटालियन एनसीसी, जौनपुर से आए मुख्य प्रशिक्षक सूबेदार संता बहादुर राणा, जीसीआई रुचि यादव एवं पीआई राजकुमार के मार्गदर्शन में हुआ।

हिंडलको रेनूकूट में सुरक्षा सप्ताह के दौरान सेफ्टी इनोवेशन प्रतियोगिता का आयोजन

सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट (उत्तरशक्ति)। सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर हिंडलको रेनूकूट के ट्रेनिंग सेंटर में सेफ्टी इनोवेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने सुरक्षा से जुड़े नवाचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नए सुरक्षा उपायों को प्रोत्साहित करना रहा। प्रतियोगिता में कुल चार टीमों ने भाग लिया। इसमें रिडक्शन प्लांट की टीम के मनीष कुमार, मिस अंजली मिश्रा, संत प्रसाद तिवारी और राम ध्यान यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं फैब्रिकेशन प्लांट की टीम की मिस अनुष्का श्रीवास्तव, मिस अनामिका राजभर, बी.बी. मिश्रा और पी.के. दुबे ने द्वितीय स्थान हासिल किया। एलुमिना प्लांट की टीम के अरविंद सिंह, आकाश कुमार, गिरधारी और बी.पी. मधुकर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में अमित चौरे, तपस चौधरी, हिमांशु श्रीवास्तव, एच.आर. सिंह और पंकज जोशी शामिल रहे। इस दौरान संस्थान के प्रमुख समीर नायक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन शरत वाई.आर. और आर.के. श्रीवास्तव ने किया, जबकि विजेता टीम की घोषणा फायर एंड सेफ्टी हेड जय तिवारी ने की।

नियमित योग साधकों को किया गया सम्मानित

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पतंजलि योग परिवार सोनभद्र की रॉबर्ट्सगंज इकाई द्वारा रविवार को नियमित, संयमित व उत्कृष्ट योग साधकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के प्रमुख मार्गदर्शक, संरक्षक व पदाधिकारियों ने योग साधकों का उत्साहवर्धन किया। बताया गया कि 2 दिसंबर 2025 को यह निर्णय लिया गया था कि 5 दिसंबर 2025 से 5 मार्च 2026 तक योग कक्षा में नियमित उपस्थिति दर्ज कर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले साधकों को संस्था की ओर से सम्मानित किया जाएगा। इसी क्रम में आयोजित योग कक्षा में प्रमुख मार्गदर्शक रमेश राम पाठक, पतंजलि किसान सेवा समिति के जिला संगठन मंत्री मोहर देव पांडेय तथा नगर संयोजक दिनेश लाल श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले चंद्र बहादुर सिंह, द्वितीय स्थान पर रहे नागेंद्र नाथ चौबे और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले राजू प्रसाद सोनी को स्वामी बाबा रामदेव द्वारा उपलब्ध कराई गई टी-शर्ट व माला पहनाकर सम्मानित किया। प्रमुख मार्गदर्शक रमेश राम पाठक ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होने से योग साधकों में उत्साह और नियमितता बनी रहती है। तहसील प्रभारी डॉ. प्रभाकर सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम 9 मार्च से 20 जून तक पुनः संचालित होगा तथा 21 जून विश्व योग दिवस के अवसर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले योग साधकों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेश चंद्र त्रिपाठी, देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, रूप नारायण सिंह, आशीष शर्मा, कमलेश प्रसाद कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में योग साधक उपस्थित रहे।

भारत वैभव पार्टी द्वारा होली मिलन समारोह संपन्न

जौनपुर। भारत वैभव पार्टी उत्तर प्रदेश द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन सिकरारा चौराहा, जौनपुर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता यदुवंशी सेना समिति के संस्थापक अध्यक्ष एडवोकेट गौरीशंकर यादव ने की। कार्यक्रम में ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन अतीश श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर गले मिलते हुए होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर हृदय नारायण यादव जनहित सेवा समिति के प्रवक्ता अशोक शुक्ला और उत्तर प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र यादव ह्यागुरुजीह्न ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी को होली की बधाई दी। भारत वैभव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सार्थी सरकार बनाने के लिए सहयोग और समर्थन की अपील की। कार्यक्रम का संचालन वासुदेव फाउंडेशन के अध्यक्ष अरविंद यादव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विरेंद्र यादव, विनय ओझा, राजेश शुक्ला, एडवोकेट कमलेश सिंह, राजकुमार मौर्य, अतुल प्रमोद शुक्ला, पंकज शुक्ला, चंद्रमणि मिश्रा, संजीव सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अटल आवासीय विद्यालय, करसड़ा (वाराणसी) में कक्षा 6 और 9 में प्रवेश हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा रविवार को जौनपुर में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। यह परीक्षा राजा श्रीकृष्ण दत्त इंटर कॉलेज में आयोजित की गई।

सहायक श्रमायुक्त देवव्रत यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई। इसमें बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों, कोविड-19 महामारी के दौरान निराश्रित हुए बच्चों तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के पात्र बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रवेश दिया जाता है। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6 में 96 और कक्षा 9 में 106 बच्चों सहित कुल 202 अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा का आयोजन जिलाधिकारी जौनपुर के मार्गदर्शन एवं मुख्य विकास अधिकारी के नेतृत्व में कराया गया। जो कुशलतापूर्वक और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

यूजीसी देश के युवाओं में फूट और नफरत डालने वाला कानून : बाबा दुबे

-शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूजीसी कानून देश का भविष्य कहे जाने वाले युवाओं में फूट और नफरत पैदा करने वाला कानून है, जो देश को बर्बाद कर देगा। बदलापुर के बाबा कुंज में आयोजित होली मिलन समारोह में बोलते हुए पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे बाबा दुबे ने उपरोक्त बातें कही।

उन्होंने कहा कि इस कानून का दुरुपयोग नहीं होगा कहने वाले लोग पूरी तरह से लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। लोग पहले से ही इसी सरकार द्वारा बनाए गए एससी एसटी कानून का दुरुपयोग देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज जीवन में अलग-अलग जातियों के लोग गहरे मित्र बन जाते हैं, जो कालांतर में समाज के लिए उदाहरण बनते हैं। इस कानून ने उन स्वर्णिम अवसरों को पूरी तरह से लगाम लगा दिया है, जिनके चलते मित्रता की आदर्श व्याख्या की जाती रही।

एक प्रकार से यह कानून कृष्ण और सुदामा की दोस्ती के बीच दीवार खड़ा करने का प्रयास है। यह कानून विद्यार्थी जीवन में जहर घोलने का प्रयास है। बाबा दुबे ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास का झूठा नारा लगाने की बजाय सबका सत्यानाश का नारा लगाया जाए।

उन्होंने कहा कि लोग अपने बच्चों को कॉलेज में पढ़ने के लिए भेजते हैं ना कि आपस में झगड़ा करने के लिए। इस काले कानून से बच्चों में शत्रुता बढ़ेगी और फर्जी मुकदमों का अंबार और बढ़ेगा। उपस्थित लोगों को होली की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि वे जन संपर्क यात्रा के माध्यम से बदलापुर विधानसभा की सभी जनता से मिलकर उनके सुख दुख जानने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर युवा गायक हरिओम तिवारी द्वारा मधुर होली गीत प्रस्तुत किए गए।

प्रेम प्रकाश दुबे ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि सभाजीत दुबे प्रखर ने किया।

ब्लड वारियर्स दिलीप दुबे को सोनभद्र डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन ने किया सम्मानित

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी नगर पंचायत में सोनभद्र डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें एसोसिएशन के पदाधिकारी सपरिवार और नगर के सम्मानित लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि फूड सेफ्टी अफसर वी.एस. मंगलमूर्ति और विशिष्ट अतिथि प्रयास फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन दिलीप कुमार दुबे ने गणेश प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर रक्तदान, नेत्रदान और अंगदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी सम्मान प्राप्त करने पर ब्लड वारियर्स दिलीप कुमार दुबे को सोनभद्र डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के अध्यक्ष उत्तम कुमार जायसवाल, सुरेश केशरी और वकील अहमद ने फूलमाला, अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान कृष्णा अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सुशील जौहरी और विजय अग्रवाल ने अबीर-गुलाल लगाकर सभी के साथ होली की खुशियां साझा कीं। दिलीप दुबे ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मान मिलने से जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होंने एसोसिएशन से आग्रह किया कि वर्ष में कम से कम एक बार रक्तदान शिविर का आयोजन अवश्य किया जाए, जिससे जिले में जागरूकता बढ़े। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं और समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

वाराणसी: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हॉकी मैदान में दिखी बराबरी की जंग, बालिका टीम ने किया दमदार प्रदर्शन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मिर्जामुराद क्षेत्र के गंगापुर स्थित हॉकी अकादमी में रविवार को महिला सशक्तिकरण विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर गंगापुर हॉकी एकेडमी ब्लू और स्पोर्ट्स एकेडमी बालिका टीम के बीच सेवन-ए-साइड हॉकी मैच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

मैच के दौरान बालिका टीम ने बालक वर्ग के साथ मुकाबला करते हुए पूरे मैच में जोरदार खेल दिखाया और बराबरी की टक्कर दी। बालिका टीम को मैच के दौरान कुल सात पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिनमें से एक को अंजली मौर्य ने शानदार गोल में तब्दील कर टीम को बढ़त दिलाई। वहीं बालक वर्ग की ओर से जितुत प्रसाद ने मैदानी गोल दागकर स्कोर बराबर किया। इसके बाद हर्ष राजभर ने दूसरा गोल कर अपनी टीम को 2-1 से जीत दिला दी। मैच के माध्यम से खिलाड़ियों ने यह संदेश दिया कि खेल के मैदान में प्रतिभा और मेहनत के दम पर लड़कियां भी किसी से कम नहीं हैं। कार्यक्रम के दौरान गंगापुर हॉकी एकेडमी के सचिव अवधेश मौर्य और एकेडमी के संस्थापक स्वर्गीय गुलाब प्रसाद मौर्य की धर्मपत्नी स्वर्गीय सीता देवी के निधन पर खिलाड़ियों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में महिलाओं को समान अधिकार देने और लैंगिक भेदभाव समाप्त करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार सिंह एडवोकेट, पूर्व महामंत्री, दी तहसील बार एसोसिएशन राजातालाब ने किया। मैच में अंपायर की भूमिका मोहम्मद अंसार अंसारी, लालबहादुर मौर्य और माता प्रसाद ने निभाई।

2026 की जनगणना में आदिवासी धर्म कॉलम शामिल करने की मांग तेज

10 मार्च को लखनऊ के ईको गार्डन में होगा ध्यानाकर्षण कार्यक्रम

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। वर्ष 2026 में प्रस्तावित जनगणना में आदिवासी धर्म के लिए अलग कॉलम शामिल करने की मांग तेज हो गई है। इस मांग को लेकर आदिवासी संगठनों और रोजगार सामाजिक अधिकार अभियान के बैनर तले 10 मार्च को लखनऊ के ईको गार्डन में ध्यानाकर्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोगों के शामिल होने की संभावना है।

बताया जाता है कि भारत में जनगणना की शुरूआत वर्ष 1871 से हुई थी। वर्ष 1871 से 1951 तक की जनगणनाओं में आदिवासी समुदाय के लिए अलग धर्म कॉलम की व्यवस्था थी, जिससे उनकी विशिष्ट धार्मिक पहचान दर्ज होती थी। लेकिन 1961 की जनगणना से यह कॉलम हटा दिया गया, जिसके बाद से आदिवासी समाज की अलग धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को दर्ज करने की व्यवस्था समाप्त हो गई। आदिवासी समाज का कहना है कि उनकी अपनी अलग आस्था, परंपराएं और जीवन पद्धति है, जिसे किसी अन्य धर्म की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। इसलिए जनगणना में अलग आदिवासी धर्म कॉलम का प्रावधान किया जाना जरूरी है, ताकि उनकी वास्तविक जनसंख्या और पहचान का सही आकलन हो सके। इसी मांग को लेकर 10 मार्च को लखनऊ में ध्यानाकर्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया और आदिवासी समाज के लोगों को इस मुद्दे के प्रति जागरूक किया गया। इस अभियान में पिंटू आदिवासी, इंजीनियर रामकृष्ण बैगा, प्रधान योगेंद्र गोंड, द्वारिका प्रसाद गोड़ तथा कोडियां के रविशंकर गोड़ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आयोजकों ने जनपदवासियों और आदिवासी समाज के लोगों से बड़ी संख्या में लखनऊ पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

रोहनिया विधायक ने पीएम के गोद लिए गांव में नवनिर्मित पानी टंकी से जलापूर्ति का किया शुभारंभ

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में गांव के लोगों में छायी खुशी की लहर राजातालाब रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में विकास की कड़ी को गति प्रदान करते हुए रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गोद लिए गांव परमपुर में आयोजित जल अर्पण कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल अभियान के तहत जल जीवन मिशन के योजना के अंतर्गत गांव वासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु नवनिर्मित जल निगम पानी टंकी से पेयजल की सप्लाई ग्रामीणों को समर्पित किया। रोहनिया विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना था कि ग्रामीणों को स्वस्थ रहने के लिए घर-घर स्वच्छ जल मिले उनका सपना आज साकार हुआ। इस दौरान विधायक ने परिसर में लगे शिलापट्ट का अनावरण कर पानी टंकी में रक्षा सूत्र बांधते हुए लोगों को सफल संचालन एवं निगरानी हेतु जल संकल्प भी दिलाया तथा पौधारोपण व जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन चंद्रकांत सिंह ने की। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से एक्सीयन आशीष सिंह,चीफ इंजीनियर जनार्दन सिंह,अभियंता अधिकारी अभिमन्यु सिंह, जिलाध्यक्ष युवा मंच मानस सिंह, विधानसभा अध्यक्ष बसंत लाल पटेल, राजकुमार वर्मा, विनोद पटेल ,श्याम बली पटेल, शुभम मौर्य इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

रोहनिया विधायक ने मोदी जी के गोद लिए गांव में नवनिर्मित पानी टंकी से जलापूर्ति का किया शुभारंभ

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में गांव के लोगों में छायी खुशी की लहर राजातालाब रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में विकास की कड़ी को गति प्रदान करते हुए रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गोद लिए गांव परमपुर में आयोजित जल अर्पण कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल अभियान के तहत जल जीवन मिशन के योजना के अंतर्गत गांव वासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु नवनिर्मित जल निगम पानी टंकी से पेयजल की सप्लाई ग्रामीणों को समर्पित किया। रोहनिया विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना था कि ग्रामीणों को स्वस्थ रहने के लिए घर-घर स्वच्छ जल मिले उनका सपना आज साकार हुआ। इस दौरान विधायक ने परिसर में लगे शिलापट्ट का अनावरण कर पानी टंकी में रक्षा सूत्र बांधते हुए लोगों को सफल संचालन एवं निगरानी हेतु जल संकल्प भी दिलाया तथा पौधारोपण व जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन चंद्रकांत सिंह ने की। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से एक्सीयन आशीष सिंह,चीफ इंजीनियर जनार्दन सिंह,अभियंता अधिकारी अभिमन्यु सिंह, जिलाध्यक्ष युवा मंच मानस सिंह, विधानसभा अध्यक्ष बसंत लाल पटेल, राजकुमार वर्मा, विनोद पटेल ,श्याम बली पटेल, शुभम मौर्य इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

सावधान रहें .. दांतों का सीधा संबंध दिल की बीमारी और डायबिटीज से ! 'नेशनल डेंटिस्ट डे' पर डॉक्टर अग्रवाल ने दी जरूरी सलाह

मुंबई। भारत जैसे विशाल देश में हृदय रोग के साथ साथ मधुमेह पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। क्या आप जानते हैं कि मसूड़ों और दांतों की बीमारी का सीधा संबंध दिल की बीमारी और डायबिटीज से हो सकता है। इसलिए दांतों और मसूड़ों को स्वच्छ व स्वस्थ रख कर आप शरीर की गंभीर बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं।

स्वस्थ्य मुस्कान,स्वस्थ्य जीवन

दंत स्वास्थ्य के महत्व पर जागरूकता एवं दंत चिकित्सकों के योगदान को लेकर हर साल 6 मार्च को राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। 'डेंटिस्ट डे' के महत्व पर जाने माने ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं लीलावती हॉस्पिटल के कंसल्टेंट डॉ. धीरज अग्रवाल ने कहा कि स्वस्थ्य व सुंदर जीवन के लिए दांतों एवं मसूड़ों का स्वस्थ्य रहना बेहद जरूरी है। डॉ. अग्रवाल के अनुसार,बच्चों में दंत स्वास्थ्य की नींव बचपन से ही रखी जानी चाहिए। पहला दंत परीक्षण एक वर्ष की आयु तक अवश्य कराना चाहिए। फ्लोराइड ट्रीटमेंट और डेंटल सीलेंट बच्चों के दांतों को कीड़े से बचाने में बेहद प्रभावी हैं। लगभग 7 वर्ष की आयु में ऑर्थोडॉन्टिक जांच कराने से जबड़े और दांतों की बढ़त से जुड़ी समस्याओं का समय रहते समाधान संभव है।

राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस पर डॉ.धीरज अग्रवाल ने समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि जीवन में स्वस्थ मुस्कान की शुरूआत समय पर दंत समस्या रोकथाम से होती है ह्न इनका मानना है कि दांतों की अधिकतर समस्याएं, जैसे कैविटी, मसूड़ों की सूजन, बदबू और दांतों का टेढ़ापन, शुरूआती जांच और सही देखभाल से पूरी तरह रोकी जा सकती हैं।

प्रारंभिक रोकथाम जरूरी

डॉ. सुधीर अग्रवाल ने कहा कि पहले जागरूकता के अभाव में दांतों मसूड़ों की देखभाल पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था। अब प्रारंभिक रोकथाम और आधुनिक दंत तकनीकों पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

स्कूलों में भी बच्चों को दांतों की देखभाल के लिए जागरूक किया जा रहा है।

डॉ.अग्रवाल बताते हैं, कि मसूड़ों की बीमारी का संबंध मधुमेह और हृदय रोग जैसी गंभीर समस्याओं से भी हो सकता है,इसलिए उपचार अत्यंत जरूरी है। वयस्कों के लिए भी हर छह महीने में नियमित दंत जांच और प्रोफेशनल क्लीनिंग आवश्यक है। इससे प्लाक और टार्टर हटाकर मसूड़ों की बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

दांतों के आंतरिक Pulp, तंत्रिकाओं और जड़ों का

आधुनिक दंत चिकित्सा तकनीकी से इलाज करने वाली एंडोडॉन्टिक्स डॉ सलोनी अग्रवाल ने कहा कि लेजर डेंटिस्ट्री, आधुनिक रूट कैनाल तकनीक और डेंटल इम्प्लांट जैसी उन्नत प्रक्रियाएं आज उपचार को लगभग दर्द रहित और दीर्घकालिक बना रही हैं। डिजिटल स्माइल डिजाइन की मदद से मरीज उपचार से पहले ही अपनी नई मुस्कान की झलक देख सकते हैं। राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस पर डॉ. धीरज अग्रवाल सभी से अपील करते हैं कि नियमित जांच, सही ब्रशिंग तकनीक, फ्लॉसिंग और संतुलित आहार को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। स्वस्थ मुस्कान न केवल आत्मविश्वास बढ़ाती है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य का प्रतीक भी है।

मौसम में बदलाव व प्रदूषण से सांस के मरीज बढ़े

बलरामपुर। जिला अस्पताल की ओपीडी में इन दिनों मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। फिजिशियन डॉ. आर के कुशवाहा के अनुसार रोजाना ओपीडी में लगभग 120 से 130 मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें से करीब 30 से 35 मरीज अस्थमा या अन्य सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित पाए जा रहे हैं। डॉ. कुशवाहा ने बताया कि सामान्य दिनों में अस्थमा के मरीजों की संख्या 10 से 15 के बीच रहती है, लेकिन मौसम में बदलाव, बढ़ते प्रदूषण, ठंड और धूल-मिट्टी के कारण इन दिनों यह संख्या काफी बढ़ गई है। ऐसे मरीजों में खांसी, सांस फूलना, सीने में जकड़न और एलर्जी जैसी शिकायतें आम तौर पर देखी जा रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क का इस्तेमाल करें, धूल-धुंध वाली जगहों पर कम जाएं और समय पर दवाइयां लें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उसगांव डोंगरी में महिला सम्मान कार्यक्रम आयोजित

वसई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्रमजीवी संगठन, महाराष्ट्र राज्य द्वारा उसगांव डोंगरी, तालुका वसई स्थित विधान सभा परिसर में एक भव्य महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित उपस्थित रहीं। इस अवसर पर संगठन की ओर से वसई विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक कार्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए एक महिला प्रतिनिधि को विश्व महिला दिवस विशेष सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विवेक भाऊ पंडित (अध्यक्ष, राज्य स्तरीय आदिवासी क्षेत्र विकास समीक्षा समिति, महाराष्ट्र सरकार), रामभाऊ वारणा (अध्यक्ष, श्रमजीवी संगठन), बलराम भोईर (राज्य सचिव), आयोजन सचिव सीता घटाल, पूजा माली, ठाणे जिला महिला प्रमुख जया पारधी तथा पालघर जिला महिला प्रमुख रेखा परहाद सहित संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में महिला बहनें उपस्थित थीं। इस दौरान महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और महिला अधिकारों के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम प्रेरणादायक वातावरण और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

9,111 डोंबिवलीकरों ने रचा इतिहास, सांगली जिले का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटा

डोंबिवली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डोंबिवली तथा कल्याण तालुका की 9,111 महिलाओं और छात्राओं ने एक साथ सामूहिक लेझीम वादन करते हुए विश्व रिकॉर्ड बनाकर डोंबिवली के गौरव में एक और स्वर्णिम उपलब्धि जोड़ दी है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक रविंद्र चव्हाण के मार्गदर्शन में डोंबिवलीकर एक सांस्कृतिक परिवार और कल्याण तालुका शारीरिक शिक्षण समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सामूहिक लेझीम वादन कार्यक्रम में रविवार को यहां स्थित श्री संत सावळाराम क्रीडा संकुल मैदान में ठाणे जिले की सैकड़ों स्कूलों की छात्राएं और महिलाएं एकत्रित हुईं। कुल 9,111 प्रतिभागियों ने एक साथ लेझीम वादन कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड महाराष्ट्र के सांगली के नाम दर्ज था। यह जानकारी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लंदन से आए अधिकारी स्वप्नील डांगरेकर ने दी। उन्होंने बताया कि सांगली में इससे पहले 7,338 महिलाओं ने एक साथ लेझीम वादन कर यह रिकॉर्ड बनाया था, जिसे रविवार को डोंबिवली में तोड़ दिया गया। करीब साढ़े पांच मिनट तक विभिन्न प्रात्यक्षिक प्रस्तुत करते हुए महिलाओं ने यह रिकॉर्ड कायम किया। इस अवसर पर स्वप्नील डांगरेकर ने विधायक रविंद्र चव्हाण की पत्नी सुहासिनी रविंद्र चव्हाण को विश्व रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र और पदक हस्तांतरित किया।

इस मौके पर रविंद्र चव्हाण ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लेझीम हमारी परंपरा और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष शारीरिक व्यायाम को बढ़ावा देने और विश्व के सामने सशक्त भारत का उदाहरण प्रस्तुत करने का संकल्प लिया है। उसी भावना से महिलाओं और छात्राओं ने एक साथ आकर यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया है। डोंबिवलीकर होने के नाते मुझे इस पर अत्यंत गर्व है और मैं यह रिकॉर्ड भारत माता को समर्पित करता हूं। उन्होंने कल्याण तालुका शारीरिक शिक्षण समिति का भी आभार व्यक्त किया और शिक्षकों व विद्यार्थियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पूरा परिसर भारत माता की जय, जय श्रीराम और वंदे मातरम् के नारों से गूंज उठा। हर किसी के चेहरे पर विश्व रिकॉर्ड बनने की खुशी साफ झलक रही थी। लेझीम की गूंज चारों ओर सुनाई दे रही थी। ढोल-ताशों की गूंज के बीच हजारों डोंबिवलीकरों ने इस उपलब्धि का जोरदार स्वागत किया और सभी प्रतिभागियों की सराहना की। इस भव्य आयोजन के साक्षी बनने के लिए डोंबिवलीकर सुबह से ही मैदान में जुटने लगे थे। जैसे ही विश्व रिकॉर्ड की घोषणा हुई, पूरे परिसर में उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई।

किआ इंडिया ने बकल अप सड़क सुरक्षा पहल का दूसरा चरण शुरू किया

मुंबई। देश की अग्रणी मास प्रीमियम कार निमार्ता कंपनियों में से एक, किआ इंडिया ने अपनी प्रमुख सड़क सुरक्षा पहल बकल अप के दूसरे चरण की शुरूआत की घोषणा की है। यह पहल 'द सोशल लैब फाउंडेशन' के सहयोग से और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मार्गदर्शन में आगे बढ़ाई जा रही है। इस नए चरण के विस्तार के लिए किआ इंडिया और टीएसएल फाउंडेशन ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दूसरे चरण का उद्घाटन सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा ने नई दिल्ली के परिवहन भवन में किया। इस अवसर पर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और किआ इंडिया का शीर्ष नेतृत्व भी मौजूद रहा। बकल अप परियोजना के पहले चरण (फरवरी 2024 से फरवरी 2026) के दौरान, किआ इंडिया ने गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम किया। इस चरण में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने वाली जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रम के तहत गुरुग्राम के जोखिम वाले रास्तों पर 750 क्रैश बैरियर लगाए गए। इसके साथ ही, किआ इंडिया ने 100 स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिनके माध्यम से लगभग 32,000 छात्रों को सुरक्षित सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक किया गया। स्थानीय प्रशासन के साथ बेहतर तालमेल और युवाओं की सक्रिय भागीदारी के जरिए पहले चरण ने सड़क सुरक्षा का एक सफल मॉडल स्थापित किया है। अब इसी आधार को आगे बढ़ाते हुए दूसरा चरण शुरू किया गया है, जो सुरक्षित मोबिलिटी (परिवहन) व्यवस्था बनाने के लिए किआ इंडिया की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। अप्रैल 2026 से मार्च 2028 तक चलने वाले बकल अप सड़क सुरक्षा अभियान के दूसरे चरण में किआ इंडिया इसका दायरा और भौगोलिक विस्तार बढ़ाएगी। इस पहल को दिल्ली-एनसीआर और उत्तराखंड तक फैलाते हुए करीब 100 कॉलेजों के लगभग 20,000 छात्रों को उन्नत ड्राइविंग सिम्युलेटर और अनुभव-आधारित प्रशिक्षण के जरिए सुरक्षित ड्राइविंग के लिए जागरूक किया जाएगा। सड़क सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए गुरुग्राम और दिल्ली-उत्तराखंड राजमार्ग के जोखिम वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त क्रैश बैरियर लगाए जाएंगे। साथ ही ऑनलाइन और ऑन-ग्राउंड जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए सुरक्षित मोबिलिटी इकोसिस्टम को बढ़ावा दिया जाएगा।

सावधान रहें : दांतों का सीधा संबंध दिल की बीमारी और डायबिटीज से!

'नेशनल डेंटिस्ट डे' पर डॉक्टर अग्रवाल ने दी जरूरी सलाह

मुंबई। भारत जैसे विशाल देश में हृदय रोग के साथ साथ मधुमेह पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। क्या आप जानते हैं कि मसूड़ों और दांतों की बीमारी का सीधा संबंध दिल की बीमारी और डायबिटीज से हो सकता है। इसलिए दांतों और मसूड़ों को स्वच्छ व स्वस्थ्य रख कर आप शरीर की गंभीर बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं।

स्वस्थ्य मुस्कान, स्वस्थ्य जीवन

दंत स्वास्थ्य के महत्व पर जागरूकता एवं दंत चिकित्सकों के योगदान को लेकर हर साल 6 मार्च को राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। 'डेंटिस्ट डे' के महत्व पर जाने माने

ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं लीलावती हॉस्पिटल के कंसल्टेंट डॉ. धीरज अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य व सुंदर जीवन के लिए दांतों एवं मसूड़ों का स्वस्थ्य रहना बेहद जरूरी है। डॉ. अग्रवाल के अनुसार,बच्चों में दंत स्वास्थ्य की नींव बचपन से ही रखी जानी चाहिए। पहला दंत परीक्षण एक वर्ष की आयु तक अवश्य कराना चाहिए। फ्लोराइड ट्रीटमेंट और डेंटल सीलेंट बच्चों के दांतों को कीड़े से बचाने में बेहद प्रभावी हैं। लगभग 7 वर्ष की आयु में ऑर्थोडॉन्टिक जांच कराने से जबड़े और दांतों की बढ़त से जुड़ी समस्याओं का समय रहते समाधान संभव है।

राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस पर डॉ. धीरज अग्रवाल ने समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि जीवन में स्वस्थ मुस्कान की शुरुआत समय पर दंत समस्या रोकथाम से होती है। उनका मानना है कि दांतों की अधिकतर समस्याएं, जैसे कैविटी, मसूड़ों की सूजन, बदबू और दांतों का टेढ़ापन, शुरुआती जांच और सही देखभाल से पूरी तरह रोकी जा सकती हैं।

प्रारंभिक रोकथाम जरूरी

डॉ. सुधीर अग्रवाल ने कहा कि पहले जागरूकता के अभाव में दांतों मसूड़ों की देखभाल पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था। अब प्रारंभिक रोकथाम और आधुनिक दंत तकनीकों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में भी बच्चों को दांतों की देखभाल के लिए जागरूक किया जा रहा है।

डॉ.अग्रवाल बताते हैं, कि मसूड़ों की बीमारी का संबंध मधुमेह और हृदय रोग जैसी गंभीर समस्याओं से भी हो सकता है, इसलिए पर उपचार अत्यंत जरूरी है। वयस्कों के लिए भी हर छह महीने में नियमित दंत जांच और प्रोफेशनल क्लीनिंग आवश्यक है। इससे प्लाक और टार्टर हटाकर मसूड़ों की बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

दांतों के आंतरिक Pulp, तंत्रिकाओं और जड़ों का

आधुनिक दंत चिकित्सा तकनीकी से इलाज करने वाली एंडोडॉन्टिक्स डॉ सलोनी अग्रवाल ने कहा कि लेजर डेंटिस्ट्री, आधुनिक रूट कैनाल तकनीक और डेंटल इम्प्लांट जैसी उन्नत प्रक्रियाएं आज उपचार को लगभग दर्द रहित और दीर्घकालिक बना रही हैं। डिजिटल स्माइल डिजाइन की मदद से मरीज उपचार से पहले ही अपनी नई मुस्कान की झलक देख सकते हैं। राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस पर डॉ. धीरज अग्रवाल सभी से अपील करते हैं कि नियमित जांच, सही ब्रशिंग तकनीक, फ्लॉसिंग और संतुलित आहार को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। स्वस्थ मुस्कान न केवल आत्मविश्वास बढ़ाती है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य का प्रतीक भी है।

समाजसेवी राजेश तिवारी तेरहवीं में हुए शामिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर कृष्णापुर निवासी पण्डित महेन्द्र नाथ तिवारी पूर्व प्रधान कृष्णापुर बदलापुर दिनांक 6 मार्च 2026 को बड़े भाई के तेरही कार्यक्रम मे वार्ड नंबर 20 के जिला पंचायत के सक्रिय उम्मीदवार राजेश तिवारी उपस्थित होकर परिवार के साथ इस दुखद घड़ी में अपनो के साथ पंकज मिश्रा पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा जौनपुर उत्तर प्रदेश, डाक्टर गंगादीन, राधाकृष्णा तिवारी, मखान तिवारी, हृदय प्रकाश तिवारी प्रवक्ता इन्टर कालेज घनश्याम पुर जौनपुर उत्तर प्रदेश के साथ सम्मलित होकर देवगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर भगवान से प्रार्थना की, ईश्वर उन्हें अपने श्री चरणो मे स्थान दे।

पुलिस टीम ने बेटियों को न्याय दिलाने के लिए सराहनीय कार्य किया

गुजरात। तत्कालीन CPI (पेटलाद डिवीजन) और वर्तमान में बोरसद पुलिस स्टेशन में कार्यरत पुलिस इंस्पेक्टर डी.आर. चौधरी और उनकी टीम ने बेटियों को न्याय दिलाने के लिए सराहनीय कार्य किया है। पॉक्सो जैसे संवेदनशील मामलों की जांच करते हुए उन्होंने दर्ज 7 में से 7 मामलों में 100% दोषसिद्धि सुनिश्चित की। इनमें से 6 मामलों में आरोपियों को आजीवन कारावास की कड़ी सजा सुनाई गई। विशेष बात यह रही कि हर मामले में मात्र 45 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल की गई और 8झ्र9 महीनों के भीतर ही अदालत से फैसला प्राप्त हो गया। यह उपलब्धि पुलिस इंस्पेक्टर डी.आर. चौधरी और उनकी टीम की निष्ठा, संवेदनशीलता और बेटियों को न्याय दिलाने के अटूट संकल्प का परिणाम है। ऐसे समर्पित अधिकारियों की वजह से समाज में कानून के प्रति विश्वास मजबूत होता है और बेटियों की सुरक्षा का भरोसा बढ़ता है। पूरी टीम को इस सराहनीय कार्य के लिए हार्दिक बधाई।

मुख्यमंत्री की माता पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन, पुतला दहन

-नानबाबू चौहान

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। योगी आदित्यनाथ की माता पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को जोरदार प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय पर एकत्रित हुए। इसके बाद कार्यकर्ता जुलूस के रूप में शहर के वीर विनय चौराहे पहुंचे, जहां नारेबाजी करते हुए बिहार के मौलाना अब्दुल सलीम के खिलाफ प्रदर्शन किया गया और उनका पुतला फूंका गया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के खिलाफ की गई टिप्पणी अत्यंत निंदनीय और अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि ऐसी अमर्यादित भाषा का समाज में कोई स्थान नहीं है और इस तरह के बयान देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

इस दौरान सदर विधायक पल्टू राम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल प्रदेश के मुखिया हैं, बल्कि गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं। उनकी माता के खिलाफ की गई टिप्पणी पूरे समाज और प्रदेश की भावनाओं को आहत करने वाली है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता इस तरह की अभद्र टिप्पणी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। भाजपा नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की अमर्यादित टिप्पणी करने की हिम्मत न कर सके। इस अवसर पर तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, गैसड़ी के पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह सहित कई भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया और चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

वसई-विरार मनपा मुख्यालय में विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक

वसई-विरार । वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मुख्यालय में आज मेयर अजीव पाटिल की अध्यक्षता में विभिन्न विकास कार्यों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

इस बैठक में डिप्टी मेयर मार्शल लोपिस, लीडर ऑफ द हाउस प्रफुल्ल साने, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन प्रवीण शेट्टी, माजी आमदार हितेंद्र ठाकुर, पूर्व मेयर नारायण मानकर, पूर्व कॉर्पोरेटर पंकज ठाकुर, पूर्व कॉर्पोरेटर हार्दिक राउत सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इसके अलावा म्युनिसिपल कमिश्नर मनोज कुमार सूर्यवंशी (B.P.S.), एडिशनल कमिश्नर संजय हेरवाडे और दीपक सावंत समेत नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद थे।

बैठक के दौरान शहर के बुनियादी ढांचे, नागरिक सुविधाओं और विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। माजी आमदार हितेंद्र ठाकुर ने भी शहर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों और आवश्यक कार्यों पर अपने सुझाव रखे। नगर निगम प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने मिलकर शहर के समग्र विकास के लिए समन्वय के साथ काम करने पर जोर दिया।

फ्री बॉडी चेकअप कैंप में शामिल हुईं नगरसेविका अपर्णा पाटिल

वसई। उमालेमन, वसई वेस्ट में आयोजित फ्री बॉडी चेकअप कैंप को स्थानीय नागरिकों से अच्छा प्रतिसाद मिला। यह हेल्थ कैंप रीना अटाले की पहल पर आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और डॉक्टरों से जरूरी स्वास्थ्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम में कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इनमें वार्ड क्रमांक 23 की नगरसेविका श्रीमती अपर्णा पाटिल, पूर्व नगरसेवक छोटू आनंद, कामगार आघाड़ी के अध्यक्ष हरीश बेदी, वसई रोड मंडल के मंडल सचिव मनोज चौटालिया, राजू प्रजापति, प्रज्वल सालियान और ऋषि वर्णी सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सलाह भी दी गई। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज में ऐसे हेल्थ कैंप की बेहद आवश्यकता है। आयोजकों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी तरह के सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

विरार में धूमधाम से मनाया गया शिव जन्मोत्सव

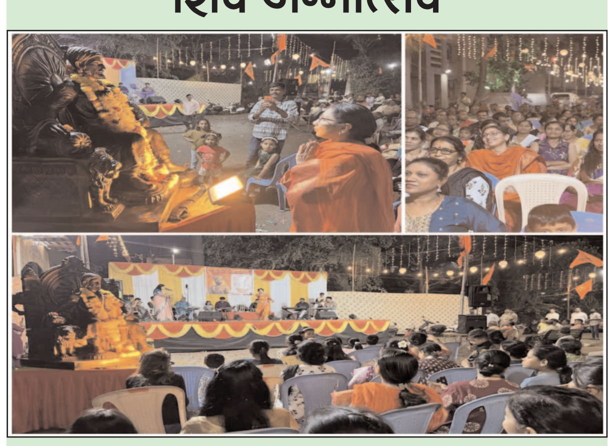

विरार। विरार (पूर्व) के फुलपाड़ा रोड स्थित गोकुलधाम क्षेत्र में आयोजित भव्य शिव जन्मोत्सव समारोह में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह कार्यक्रम शिव जन्मोत्सव समिति, गोकुलधाम फेडरेशन और गोकुलधाम उत्सव मंडल, फुलपाड़ा रोड विरार (ईस्ट) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। समारोह के दौरान विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक, पराक्रम, बहादुरी और स्वाभिमान के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्श आज भी समाज को प्रेरणा देते हैं। ऐसे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आयोजन नई पीढ़ी में स्वराज्य के गौरव और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में नवीन दुबे, नवनीत दुबे और विकास सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला।

कुंडे में दुपट्टे से फंदा लगाकर युवती ने दी जान

-शुभम कुमार यादव

धमार्पुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर गांव में शनिवार शाम करीब 18 वर्षीय युवती ने घर के अंदर छत में लगे कुंडे से दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी नगीना की पुत्री संध्या (18) घर के कमरे में थी। इसी दौरान उसने अज्ञात कारणों से छत के कुंडे में दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। घटना की जानकारी शाम करीब 4:15 बजे उस समय हुई जब उसकी मां बसंती ने खिड़की से शव को लटकते हुए देखा और शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। बताया जाता है कि मृतका के पिता नगीना रोजी-रोटी के सिलसिले में जिले से बाहर रहते हैं। सूचना मिलने पर जफराबाद थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कुंडे से नीचे उतरवाकर अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मौके का निरीक्षण करने के बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

इंद्रधनुष हेल्थकेयर सेंटर के कार्यक्रम में विधायक स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति

वसई। वसई ईस्ट के एवरशाइन सिटी स्थित इंद्रधनुष हेल्थकेयर सेंटर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने शिरकत की और समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले डॉक्टरों का सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि समाज सेवा में महिलाओं की मजबूत इच्छाशक्ति, मेहनत और महत्वपूर्ण भागीदारी समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने सभी महिला बहनों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिला शक्ति ही समाज की प्रगति की असली प्रेरणा है। कार्यक्रम में वसई-विरार शहर जिला भाजपा के जनरल सेक्रेटरी बिजेंद्र कुमार, डॉ. राधेश्याम गर्ग, डॉ. भारती पाटिल, डॉ. सुवर्णा और डॉ. सिद्धि सहित कई डॉक्टर, नर्स, नागरिक, पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने वाले डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित किया गया। यह आयोजन महिलाओं की उपलब्धियों और समाज में उनके योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

महिला दिवस पर मिशन शक्ति टीम की जागरूकता रैली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए पुलिस लाइन जौनपुर से मिशन शक्ति टीम की जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को सहायक पुलिस अधीक्षक /क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली पुलिस लाइन से निकलकर वाजिदपुर तिराहा, पॉलिटेक्निक चौराहा, ओलंदगंज चौराहा, जेसिस चौराहा और कचहरी चौराहा होते हुए पुनः पुलिस लाइन पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और जागरूकता के प्रति प्रेरित किया गया। इस मौके पर प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, महिला बाल सुरक्षा संगठन की प्रभारी निरीक्षक अनीता सिंह तथा मिशन शक्ति टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

पीएनबी ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026

मुंबई। पंजाब नैशनल बैंक, देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर महिलाओं की उपलब्धियों, नेतृत्व और योगदान को सम्मानित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।

पीएनबी के नई दिल्ली स्थित कॉरपोरेट कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेजर नीलू खन्ना और डॉ. दिनेश कंसल थीं। कार्यक्रम में पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशकगण एम. परमशिवम, बिभु पी. महापात्र, डी. सुरेंद्रन तथा अमित कुमार श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और कार्मिक भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में महिलाओं के योगदान को समर्पित एक विशेष ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति दिखाई गई, जिसमें महिलाओं के साहस, नेतृत्व और प्रभाव की प्रेरणादायक कहानियों को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का समापन बैंक के कार्मिकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ, जो पीएनबी परिवार में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और समावेशिता की भावना को प्रदर्शित करता है। सभा को संबोधित करते हुए अशोक चंद्र, एमडी एवं सीईओ, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने समाज के निर्माण में महिलाओं और संस्थाओं दोनों की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, पिछले एक दशक में हमारे देश ने महिलाओं की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए कई ऐतिहासिक पहलें देखी हैं, जिन्होंने महिला विकास की यात्रा में एक नए अध्याय का मार्ग प्रशस्त किया है। एक बैंक के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम स्वयं सहायता समूहों और अन्य समुदायों से जुड़ी महिलाओं को वित्तीय सेवाओं तक सहज पहुँच सुनिश्चित करें, ताकि ह्यविकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने में योगदान दिया जा सके। यह लक्ष्य तभी संभव है जब देश की महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनें। पीएनबी महिलाओं के विकास के लिए संगठन के भीतर और बाहर निरंतर प्रतिबद्ध है। मैं यहाँ उपस्थित सभी महिलाओं से आग्रह करता हूँ कि वे एक-दूसरे का सहयोग एवं उत्थान करें और मजबूत समुदायों के निर्माण में उदाहरण प्रस्तुत करें। मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश कंसल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, यह दिवस उन महिलाओं की प्रेरणादायक यात्रा का उत्सव है, जो अपनी शक्ति, दृढ़ता और संकल्प के माध्यम से बाधाओं को तोड़ते हुए समाज को नई दिशा दे रही हैं। इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि जब हम महिलाओं को अवसर, मार्गदर्शन और वित्तीय सशक्तिकरण प्रदान करते हैं, तो हम पूरे समुदाय को आगे बढ़ाते हैं। पंजाब नैशनल बैंक द्वारा समावेशन को बढ़ावा देने और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता का समर्थन करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। मुख्य अतिथि मेजर नीलू खन्ना ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा,आइए हम एक प्रसन्न और संतुलित मन पर ध्यान केंद्रित करते हुए शुरूआत करें, क्योंकि यही स्वस्थ शरीर की नींव है।